प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अब छह महीने के लिए और बढ़ा दी गई है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर बताया कि अब यह योजना सितंबर 2022 तक जारी रहेगी। सितंबर तक इस योजना का लाभ करोड़ों लोग उठा सकेंगे...

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 102 दिनांक: 27-03-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रों में मंदिर महोत्सव और हिंदुओं के धार्मिक आयोजनों के दौरान मंदिर परिसरों में अन्य धर्म के लोगों को व्यापार नहीं करने देने की मांग की जा रही है। इसको लेकर ज्ञापन दिए जा रहे है।

छह महीने के लिए बढ़ाई गई पीएम अन्न योजना

नई दिल्ली । केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 6 महीने के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। अब 30 सितंबर 2022 तक पीएम अन्न योजना बढ़ा दी गई है। 31 मार्च को इसकी समयसीमा खत्म हो रही थी। मोदी कैबिनेट ने आज यह अहम फैसला लिया।

देश के 80 करोड़ से अधिक लोग उठा सकेंगे लाभ

पीएम मोदी ने कहा, भारतवर्ष का सामर्थ्य देश के एक-एक नागरिक की शक्ति में समाहित है। इस शक्ति को और मजबूती देने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 6 महीने और बढ़ाकर सितंबर 2022 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। देश के 80 करोड़ से अधिक लोग पहले की तरह इसका लाभ उठा सकेंगे।

अभी तक पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना की अंतिम तारीख 31 मार्च 2022 थी। इससे पहले यूपी में योगी आदित्यनाथ ने सीएम पद की शपथ ग्रहण करने के दूसरी ही दिन यानी शनिवार को मुफ्त राशन योजना तीन महीने के लिए बढ़ाई है।

कोरोना संकट के दौरान शुरू हुई थी योजना

कोरोना संकट के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का मार्च 2020 में एलान किया गया था। गरीब कल्याण अन्न योजना का मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों को हुई परेशानी को दूर करना था। शुरुआत में इस योजना को अप्रैल-जून 2020 की अवधि के लिए लॉन्च किया गया था, लेकिन बाद में इसे 30 नवंबर तक बढ़ा दिया गया था। इसके बाद इसे 31 मार्च 2022 तक बढ़ाया गया और अब फिर से इसे 30 सितंबर 2022 तक बढ़ाया जा रहा है।

कोरोना संक्रमण के बाद लॉकडाउन की वजह से रोजी-रोटी के लिए परेशान लोगों को सरकार ने मुफ्त राशन योजना शुरू की थी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीबों को प्रति व्यक्ति 5 किलो खाद्यान्न मुफ्त मिलता है।

सिर्फ 'द कश्मीर फाइल्स ' ही नहीं, गुजरात फाइल्स के बारे में बात करें: शिंदे

पुणे (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि पत्रकार द्वारा गुजरात दंगों पर लिखी किताब का भी 'द कश्मीर फाइल्स' जितना प्रचार किया जाना चाहिए। शिंदे ने मुद्दे पर प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्होंने द कश्मीर फाइल्स' फिल्म नहीं देखी है। उन्होंने कहा, मैंने फिल्म (द कश्मीर फाइल्स) नहीं देखी है लेकिन कई लोग इसके बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन कश्मीर फाइल्स से पहले पत्रकार राणा अयूब की किताब गुजरात फाइल्स (एनाटॉमी ऑफ कवर-अप) भी है।

शिंदे ने कहा, प्रधानमंत्री और अन्य द कश्मीर फाइल्स का प्रचार कर रहे हैं, उन्हें द गुजरात फाइल्स के बारे में भी बात करनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि किसी भी घटनाक्रम को तोड़-मरोड़कर दिखाना गलत है। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाओं को इस तरीके से भड़काने की कोशिश करना बीजेपी की पुरानी रणनीति है।

बाइडन बोले- यूक्रेन पर हमले में रूस की हुई रणनीतिक हार, नाटो देशों में दाखिल होने की न सोचे रूस

रूस और यूक्रेन के बीच लगातार 31वें दिन भी जंग जारी है। दोनों देश एक दूसरे से समझौता करने के लिए तैयार नहीं हो रहे। रूसी सेना आए दिन और अधिक आक्रामक होती जा रही है। इस बीच रूस ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान का पहला चरण लगभग पूरा हो गया है और इसके बाद उसके सैनिक पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र को पूरी तरह से मुक्त करने पर केंद्रित करेंगे। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दक्षिणपूर्वी पोलैंड की यात्रा की, जहां उन्होंने अमेरिकी सैनिकों और शरणार्थियों की सहायता करने वाले सहायता कर्मियों से मुलाकात की। बाइडन ने कहा- नाटो देशों की सीमा में घुसने की कोशिश भी न करे रूस। रूस से तेल खरीदकर युद्ध मशीन की मदद न करें। तेल के लिए रूस पर निर्भरता खत्म करे यूरोप।

बाइडन ने पोलैंड को सुरक्षा का भरोसा देते हुए कहा कि अमेरिकी फौज हर मदद के लिए पोलैंड में मौजूद है। नाटो देशों की रक्षा के लिए अमेरिकी सेना मौजूद है। हमें लोकतंत्र की मजबूती के लिए लड़ना है। हमें लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने आज यूक्रेन को आर्थिक मदद का एलान किया। पोलैंड के वारसॉ में एक संबोधन में बाइडन ने रूस को निशाने पर लेते हुए कहा कि यूक्रेन पर हमले का रूस के पास कोई तर्क नहीं है। इस बर्बर हमले के लिए रूस जिम्मेदार है। हम यूक्रेन के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों की वजह से रूस की आर्थिक स्थिति खराब है। इस युद्ध में रूस की रणनीतिक हार हुई है। मैंने यहां यूक्रेन के शरणार्थियों की तकलीफ देखी है। यूक्रेन के लोग अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रहे हैं। यूक्रेन की रक्षा के लिए अमेरिका खड़ा रहेगा। एक ऑनलाइन पोस्ट में लविव के मेयर आंद्रिय सदोवी ने कहा कि शहर में हमलों से किसी आवासीय भवन को नुकसान नहीं हुआ है, जिसके बारे में उन्होंने कहा था कि ईंधन भंडारण करने वाले एक स्टोर में आग लगी है। सेंट्रल लविव में रॉयटर्स ने शहर के उत्तर-पूर्व की ओर से भारी काला धुआं उठते देखा और हवा में जलने की तेज गंध आ रही थी। एक अपार्टमेंट ब्लॉक के पीछे उठ रहे काले धुएं का गुबार देखने के लिए पुरुष सड़क पर एकत्र हो गए।

बीरभूम हिंसा पर एक्शन में सीबीआई, रामपुरहाट गांव पहुंची सीबीआई की फॉरेंसिक टीम

कोलकाता (ईएमएस)। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के कुछ घंटे बाद ही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में आठ लोगों की हत्या के मामले में जांच की जिम्मेदारी शुक्रवार को संभाल ली। डीआईजी अखिलेश सिंह के नेतृत्व में सीबीआई टीम सीएफएसएल टीम के साथ रामपुरहाट गांव पहुंची। इसके अलावा हिंसा मामले की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो की फोरेंसिक टीम भी गांव में मौजूद है।

इससे पहले बीरभूम की हिंसा को समाज की चेतना को झकझोर देने वाला बताते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआई को राज्य पुलिस से मामले की जांच अपने हाथ में लेने और सुनवाई की अगली तारीख सात अप्रैल को प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। अदालत ने बुधवार को मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने कहा कि तथ्य और परिस्थितियों की मांग है कि न्याय के हित और समाज में विश्वास पैदा करने के लिए जांच सीबीआई को सौंपी जाए। अधिकारियों ने बताया एजेंसी ने केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) के आठ विशेषज्ञों के साथ एक टीम पहले ही भेज दी है, जो वारदात स्थल का दौरा कर चुकी है।

गौरतलब है कि बीरभूम जिले के रामपुरहाट कस्बे के पास बोगतुई गांव में मंगलवार तड़के अज्ञात बदमाशों ने कुछ मकानों में आग लगा दी, जिसमें दो बच्चों सहित आठ लोगों की झुलसकर मौत हो गई थी। माना जा रहा है कि यह घटना सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के पंचायत अधिकारी की हत्या के प्रतिशोध स्वरूप हुई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले का विपक्षी दलों ने स्वागत किया और आरोप लगाया कि राज्य पुलिस, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर काम कर रही है तथा इस मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है।

वहीं, राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार के मातहत काम कर रही एजेंसी पर निष्पक्ष जांच को लेकर भरोसा किया जा सकता है। उसने दावा किया कि भाजपा विपक्षी दलों को घेरने के लिए सीबीआई का इस्तेमाल करती रही है। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी ने कहा सीबीआई को जांच में पूरा सहयोग किया जाएगा लेकिन अगर भगवा पार्टी ने टीएमसी नेताओं को प्रताड़ित करने के लिए इसका इस्तेमाल किया तो व्यापक पैमाने पर आंदोलन होगा।

दो साल बाद रविवार से फिर शुरू होंगी नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

नई दिल्ली । कोरोना संकट से उबरने के बाद दो साल बाद रविवार से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं फिर शुरू होने जा रही हैं। इसके लिए देश के हवाईअड्डे और एयरलाइन कंपनियां पूरी तरह से तैयार हैं। अंतराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने से इस क्षेत्र को विकास की उड़ान भरने में मदद मिलेगी। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को उम्मीद है कि नियमित अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा फिर शुरू होने के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय उछाल आएगा। दोबारा अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने को लेकर भारतीय एयरलाइन कंपनियों के साथ ही अमीरात, वर्जिन अटलांटिक सहित विभिन्न विदेशी एयरलाइन कंपनियां भी उत्साहित हैं।

सरकार ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन के लिए कोविड दिशा-निर्देशों को भी संशोधित किया है। मेडिकल इमरजेंसी के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में तीन सीटों को खाली रखने की आवश्यकता को हटा दिया गया है। इसके साथ ही चालक दल के लिए पूर्ण पीपीई किट रखने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। कोरोना महामारी के दौरान संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सरकार ने 23 मार्च, 2020 को भारत में निर्धारित अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं को निलंबित करने का फैसला लिया था। हालांकि जुलाई 2020 से एयर बबल व्यवस्था के तहत भारत और 37 देशों के बीच विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती रही हैं।

नियमित अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने के साथ ही एयर बबल व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। कोरोना के मामलों में गिरावट के मद्देनजर सरकार ने आठ मार्च को 27 मार्च से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं को फिर शुरू करने की घोषणा की थी। इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विली बोल्टर ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं फिर से शुरू करने को लेकर उत्सुक है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने उम्मीद जताई कि 2022 की गर्मियों में इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक मूवमेंट (एटीएम) की संख्या 165 प्रति दिन से बढ़कर 300 प्रति दिन तक पहुंच सकती है। कोरोना संकट से उबरने के बाद दो साल बाद रविवार से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं फिर शुरू होने जा रही हैं। इसके लिए देश के हवाईअड्डे और एयरलाइन कंपनियां पूरी तरह से तैयार हैं। अंतराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने से इस क्षेत्र को विकास की उड़ान भरने में मदद मिलेगी।

अखिलेश यादव और शिवपाल के बीच फिर पड़ गई फूट

नई दिल्ली (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) ने शनिवार को विधायक दल की बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार को सड़क से सदन तक घेरने की रणनीति बनानी थी, लेकिन इससे पहले सपा में एक बार फिर अंदरुनी झगड़े की आहट सुनाई देनी लगी है। अखिलेश यादव ने एक बार फिर चाचा शिवपाल यादव को बड़ा झटका देते हुए उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। दो दिन से उम्मीद लगाकर लखनऊ में डेरा डाले शिवपाल यादव को विधायक दल की बैठक में नहीं बुलाया गया है। इससे शिवपाल यादव ने नाराजगी भी जाहिर की है। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल यादव को सपा के चुनाव चिह्न पर ही जसवंतनगर सीट से चुनाव लड़ाया गया था। ऐसे में शिवपाल यादव को पूरी उम्मीद थी कि विधायक दल की बैठक में उन्हें बुलाया जाएगा। शिवपाल ने कहा, ''मुझे पार्टी की बैठक में नहीं बुलाया गया है। मैं दो दिन से इंतजार कर रहा था, इस बैठक में शामिल होने के लिए मैंने अपने दूसरे सारे प्रोग्राम कैंसल कर दिए, लेकिन मुझे बुलाया नहीं गया। मैं सपा का विधायक हूं, फिर भी नहीं बुलाया गया।एक अन्य टीवी चैनल ने जब शिवपाल यादव से पूछा कि उनका अगला कदम क्या होगा तो उन्होंने अभी पत्ते खोलने से इनकार किया और कहा कि समर्थकों से विचार-विमर्श के बाद ही वह कोई फैसला करेंगे। विपक्ष में बैठने का जनादेश मिलने के बाद यह भी अटकलें थीं कि शिवपाल यादव को विपक्ष का नेता भी बनाया जा सकता है। हालांकि, अखिलेश यादव ने संसद से इस्तीफा देकर विधानसभा में रहने का फैसला किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह खुद नेता विरोधी दल बनकर योगी आदित्यनात को सीधी चुनौती देना चाहेंगे।

यात्रियों को मिलेगी राहत केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बदले नियम

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वायरस महामारी के चलते बंद पड़ी उड़ानें दोबारा शुरू होने जा रही हैं। इस बार अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए राहत की खबर है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को लेकर दिशा निर्देशों में संशोधन किया है। इसके तहत यात्रियों और कर्मचारियों को पाबंदियों से राहत मिलेगी। हालांकि, इस दौरान हवाई अड्डों और उड़ानों में मास्क पहनना अभी भी अनिवार्य है। संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, एयरलाइन्स में सोशल डिस्टेंसिंग के लिए तीन सीटें खाली नहीं छोड़नी होंगी। सात ही कर्मचारियों को पीपीई किट पहनना अनिवार्य नहीं होगा। इसके अलावा सुरक्षा जवानों को भी यात्रियों को तलाशी लेने में आसानी होगी। कोरोना वायरस महामारी के चलते 23 मार्च 2020 के बाद निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित कर दिया था। हालांकि, भारत और करीब 45 अन्य देशों के बीच विशेष उड़ानें जारी थी। यह उड़ानें जुलाई 2020 तक एयर बबल के तहत फ्लाइट संचालित हो रही थी। एयरलाइन्स को उम्मीद है कि शुरुआत होते ही बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की संभावना है। हाल ही में एक सर्वे में बताया गया था कि साल 2022 में 39 फीसदी भारतीय अंतरराष्ट्रीय यात्रा करेंगे। इसके साथ ही कुछ देशों ने अंतराराष्ट्रीय यात्रियों के लिए नियमों में भी ढील दी है। बहरीन, फ्रांस मिस्त्र समेत कई देशों में पहुंचने पर आरटी-पीसीआर रिपोर्ट्स दिखाना अनिवार्य नहीं है।

31 से कांग्रेस का महंगाई मुक्त भारत अभियान

विरोध प्रदर्शन में राहुल- प्रियंका भी होंगे शामिल, कांग्रेसी बजाएंगे ड्रम और घंटियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस शनिवार को पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों और महंगाई के खिलाफ महंगाई-मुक्त भारत अभियान शुरू करने जा रही है। यह कैम्पेन 31 मार्च से 7 अप्रैल तक तीन चरणों में होगा। यह जानकारी कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस अभियान की शुरुआत कांग्रेस ने बीजेपी के ताली-थाली की तर्ज पर ड्रम और घंटियां बजाकर करने का ऐलान किया है। सुरजेवाला ने कहा कि 7 अप्रैल को पार्टी सभी राज्य मुख्यालयों पर महंगाई-मुक्त भारत धरना और मार्च निकालेगी। उन्होंने कहा कि देश में लगातार बढ़ती महंगाई और तेल की कीमतों के खिलाफ राहुल और प्रियंका गांधी देशव्यापी प्रदर्शन में शामिल होंगे। सुरजेवाला ने कहा कि सरकार लगातार तेल के दाम बढ़ाकर लोगों की जेब में छेद कर रही है? क्या सरकार को गरीबों की जरा सी भी चिंता है?

राहुल गांधी ने भी हमला बोला

राहुल गांधी ने भी लगातार बढ़ रही तेल की कीमतों को लेकर सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा- राजा महल में जाने की तैयारी कर रहा है जबकि जनता महंगाई के बोझ तले दबी जा रही है। गौरतलब है कि पिछले पांच दिनों में से चार दिन तेल की कीमतों में इजाफा हुआ है।

मोदी सरकार ने जनता की जेब से 26 लाख करोड़ लूटे

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मई 2014 में पेट्रोल पर एक्साइज डयूटी 9.20 रुपए और डीजल पर 3.46 रुपए थी। लेकिन, पिछले 8 सालों में बीजेपी सरकार ने डीजल पर 531 फीसदी और पेट्रोल पर 203 फीसदी एक्साइज डयूटी बढ़ाई है। मोदी सरकार ने 8 साल में जनता की जेब से 26 लाख करोड़ लूटे हैं। ये कोई आरोप नहीं बल्कि सरकारी आंकड़ा है। कोरोना महामारी के 2 साल में पेट्रोल पर 29 रुपए और डीजल पर 27.58 रुपए बढ़ाए गए। मनमोहन सरकार के दौरान 2011-12 में पेट्रोल-डीजल पर सब्सिडी 1 लाख 42 हजार करोड़ रुपए थी। बाद में इसे बढ़ाकर करीब डेढ़ लाख किया गया था।

सब्सिडी खत्म करने की तैयारी

मोदी सरकार ने 2016 में सब्सिडी घटाकर 27 हजार करोड़ रुपए कर दी। अब यह महज 11000 करोड़ रुपए ही रह गई है, जिसे भी जल्द ही खत्म किया जाना है। 8 साल पहले गैस सिलेंडर 410 रुपए का था, आज इसकी कीमत 1000 से 1200 रुपए है। यानी 539.49 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। अंतराष्ट्रीय बाजार में गैस के दाम घटे हैं, लेकिन हमारे देश में गैस के दाम दोगुने से ज्यादा हो गई है।

2014 में सीएनजी की कीमत 35 रुपए में थी, जो अब 80 रुपए प्रति किलो हो गई है। हम जनता से आह्वान करेंगे कि उस दिन अपना-अपना सिलेंडर, डीजल की केन लेकर घर के बाहर खड़े हो जाएं और घंटी-ड्रम बजाएं।

हार पर मंथन के लिए हुई बैठक

शनिवार को कांग्रेस महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक हुई। इसमें पार्टी के सदस्यता अभियान और देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा हुई। बैठक में शामिल होने वाले पार्टी के प्रमुख नेताओं में प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल, ओमेन चांडी, मुकुल वासनिक, तारिक अनवर, सुरजेवाला, अजय माकन और पवन कुमार बंसल शामिल थे। यह बैठक पांच राज्यों में हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की अपमानजनक हार के मद्देनजर हुई।

राजा करे महल की तैयारी, प्रजा बेचारी महंगाई की मारी

-महंगाई पर भड़के राहुल गांधी का नरेंद्र मोदी सरकार पर तंज

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में निरंतर हो रही वृद्धि हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के जश्न का साइड इफेक्ट है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया, राजा करे महल की तैयारी, प्रजा बेचारी महंगाई की मारी। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा, मोदी सरकार में महंगाई- तारीख़ नई, तकलीफ़ वही। आज की सुबह भी महंगाई से शुरू। आज फ़िर से रेट 0.80 रुपये (प्रति लीटर) बढ़ा दिए। पांच दिन में 3.2 रुपये प्रति लीटर की लूट। भाजपा का जारी है- ज़श्न भरा शपथ, जनता को हर रोज़ महंगाई की चपत?

उन्होंने आरोप लगाया कि ये सब तो अभी चुनावी जीत के भाजपाई जश्न का ताज़ा 'साइड इफ़ेक्ट' है। पेट्रोल और डीजल की कीमत में शनिवार को 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। पिछले पांच दिन में चौथी बार कीमत में बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 97.81 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर अब 98.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.07 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 89.87 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इससे पहले राहुल गांधी ने पांच राज्यों में पार्टी की करारी हार के बाद भी बीजेपी पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा था. राहुल गांधी ने तब एफडी, पीपीएफ, ईपीएफ और महंगाई से जुड़े आंकड़े ट्वीट करते हुए पूछा था कि क्या सरकार की जिम्मेदारी जनता को राहत देने की नहीं है।

लालू के बड़े लाला की चेतावनी..... जल्द कई चेहरों से नकाब उतारूंगा...

पटना (ईएमएस)। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े सुपुत्र और हसनपुर विधायक तेज प्रताप यादव ने कहा है कि उन्हें नासमझ समझने वालों को वह बेनकाब करने वाले हैं। चेतावनी भरे लहजे में तेज प्रताप ने फिर विरोधियों पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को ट्वीट करते हुए तेजप्रताप ने कहा है कि वक्त आ चुका है...एक बड़े खुलासे का, जल्द उन सभी चेहरों से नकाब उतारूंगा...जिन्होंने मुझे नासमझ समझने की भूल की।

अपने ट्वीट में तेजप्रताप ने फिलहाल समय सीमा या तारीख तय नहीं की है कि वे कब चेहरों को बेनकाब करने वाले हैं। लेकिन इतना जरूर कहा है कि जल्द ही वह यह काम करने वाले हैं। कुछ दिन पहले ही बिहार दिवस कार्यक्रम के दौरान कई बच्चे खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए थे। बाद में ये पता चला था, उन्हें फूड पॉइजनिंग हुई है। यह मुद्दा बनाते हुए तेजप्रताप ने नीतीश पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि पहले जहरीली शराब और जहरीले खाने से बच्चे की जिंदगी के साथ खिलवाड़, शर्म करो नीतीश कुमार।

सदस्यता के बढ़े आंकड़े पर कांग्रेस को भी आश्चर्य, बैठक में 31 मार्च तक अभियान को और गति देने का निर्देश

नई दिल्ली: कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक चुनाव को अंजाम देने की खातिर राज्य इकाइयों से पार्टी की सदस्यता अभियान को गति देने के लिए कहा है। कांग्रेस महासचिवों और राज्यों के प्रभारियों की शनिवार को हुई बैठक में संगठन चुनाव को देखते हुए 31 मार्च तक हर हाल में सदस्यता अभियान को पूरा कर लेने का प्रदेश इकाइयों को निर्देश दिया गया है।

पांच राज्यों में चुनावी हार के बाद अंदरूनी संकट का सामना कर रही कांग्रेस ने सदस्यता अभियान की अब तक की प्रगति को उम्मीद से बेहतर करार दिया है। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने बैठक में संगठन चुनाव और सदस्यता अभियान की समीक्षा से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अभी पूरे आंकड़े को सार्वजनिक करना उचित नहीं है। मगर यह जरूर है कि कांग्रेस की सदस्यता का आंकड़ा बढ़ा है। राज्यों के प्रभारियों ने बैठक के दौरान सदस्यता के अपने-अपने आंकड़े पेश किए। मोटे तौर पर इसकी गणना की गई, जिससे साफ है कि कांग्रेस की सदस्यता में इजाफा हुआ है।

पीएम के जीवन के अनछुए पहलुओं से कराएगी परिचय वेबसाइट

डिजिटल हुई पीएम मोदी की प्रेरक जिंदगी, 'मोदीस्टोरी.इन' वेबसाइट प्रधानमंत्री के जीवन के अनछुए पहलुओं से कराएगी परिचय वेणुगोपाल ने पार्टी महासचिवों और राज्य प्रभारियों की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, मुकुल वासनिक, तारिक अनवर, अजय माकन, ओमन चांडी, रणदीप सुरजेवाला, शक्ति सिंह गोहिल आदि मौजूद थे।

शपथ लेते ही एक्शन में योगी, सभी अपर मुख्यसचिव व प्रमुख सचिव को दिया टारगेट

लखनऊ (ईएमएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को शपथ लेने के बाद शनिवार को एक्शन मोड़ में दिखाई दिए। पहले सुबह प्रेसवार्ता कर फ्री राशन के समय बढ़ाने का ऐलान किया। इसके बाद उन्होंने सभी अपर मुख्यसचिव व प्रमुख सचिव को टारगेट दे दिया। सीएम योगी ने कहाकि 6 माह, 1 साल और 5 साल के लिए टारगेट तय कर उसका प्रजेंटेशन करें।

सीएम योगी ने कहा कि हर विभाग आधे-आधे घंटे की प्रेजेंटेशन बनाए। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकार में मुकाबला दूसरों के काम से था। लेकिन इस बार अपने ही पिछले कार्यकाल से भी और बेहतर करना है। अच्छा काम किया इसकारण वापस लौटे लेकिन अब और बेहतर करना है। जनता ने विश्वास जताया है उस पर खरा उतरना है। सीएम के निर्देश फाइलों को लटकाया न जाए, लोक कल्याण संकल्प पत्र के वादों को अमली जामा पहनाना है।

फिर 80 पैसे बढ़ी पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल की कीमत में शनिवार को 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। तेल कंपनियां कच्चे माल की कीमत में बढ़ोतरी का भार उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं, जिसके चलते पिछले पांच दिन में चौथी बार कीमत में बढ़ोतरी की गई है। इस तरह पांच दिन में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3.20 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। पेट्रोल तथा डीजल की कीमत साढ़े चार महीने तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को 80 पैसे बढ़ाई गई थी। इसके बाद से इनकी कीमतों में प्रति लीटर 80-80 पैसे की तीन बार बढ़ोतरी की गई।

अगले माह कर्नाटक के आधिकारिक दौरे पर जा सकते हैं पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अप्रैल की शुरुआत में कर्नाटक का आधिकारिक दौरा करने वाले हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल पर इस मौके कोई चर्चा नहीं होगी। वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट क्रियान्वयन पर नजर रखने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति का राज्य में पहली बार गठन किया गया है।

बोम्मई ने कहा, सहकारिता क्षेत्र में सुधार पर काम कर रहे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 'क्षीर अभिवृद्धि बैंक से जुड़ी बड़ी बैठक में शामिल होने के लिए एक अप्रैल को राज्य का दौरा करने वाले हैं। हम 'क्षीर अभिवृद्धि बैंक' शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसका लक्ष्य डेयरी क्षेत्र को वित्तीय बढ़ावा देना है, ताकि किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके और उन्हें वित्तीय सहयोग मिल सके। बोम्मई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच अप्रैल को राज्य का दौरे करने की संभावना है, लेकिन यह अभी केवल संभावित तारीख है,इस पूरी तरह अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

जब सीएम से पूछा गया कि क्या उनके मंत्रिमंडल के बहुप्रतीक्षित विस्तार पर चर्चा की जाएगी, मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे सरकारी कार्यक्रमों के लिए आ रहे हैं, बेंगलुरू में मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा नहीं होगी। जब भी नेतृत्व मुझे बुलाएगा, मैं दिल्ली जाकर इस पर चर्चा करूंगा। मुख्यमंत्री पर देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद मंत्रिमंडल का जल्द विस्तार करने या इसमें फेरबदल करने का दबाव बढ़ रहा है। कुछ विधायक अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नए चेहरों के लिए जगह बनाने की खातिर कर्नाटक मंत्रिमंडल में जल्द ही गुजरात की तरह फेरबदल करने की वकालत कर रहे हैं।

कार्टून कोना

अर्थ ऑवर पर भारत सहित दुनिया भर में कार्यक्रम हुए, दिग्गजों ने दिए संदेश

नई दिल्ली । पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा की बचत का संदेश देते हुए दैनिक जागरण और डब्लूडब्लूएफ इंडिया ने लोगों को जागरूक करने के लिए एक कैंपेन का आयोजन किया। शनिवार शाम अर्थ आवर भारत समेत पूरी दुनिया मनाया गया। इस मौके पर डब्लूडब्लूएफ इंडिया की ओर से एक फेसबुक लाइव कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बॉलीवुड और संगीत जगत की कई बड़ी हस्तियों ने अपने अपने अंदाज में पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन संगीतकार शांतनु मोइत्रा ने किया।

अर्थ आवर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मशहूर गायिका शुभा मुद्गल कहती है कि हमारे शहरों की हवा खराब हो रही है। पर्यावरण खराब हो रहा है। इसके लिए हम सभी जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए पर्यावरण संरक्षण उनकी संस्कृति का हिस्सा है। कई शास्त्रीय और लोकगीतों में पेड़ों, नदियों का जिक्र होता है। कई गीतों में हम पीपल, कदंब के पेड़ों के बारे में बताते हैं।

अभिनेत्री दिया मिर्जा ने इस मौके पर कहा कि हाल ही में इंसान के खून में माइक्रोप्लास्टिक के पहुंचने की कुछ रिपोट्स आई है। यह बेहद चिंताजनग और लोगों की सेहत के लिए काफी खतरनाक है। हमें एकजुट होकर इन समस्याओं का हल तलाशना होगा। हमें अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाना होगा। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा की बचत का संदेश देते हुए दैनिक जागरण और डब्लूडब्लूएफ इंडिया ने लोगों को जागरूक करने के लिए एक कैंपेन का आयोजन किया। इस मौके पर डब्लूडब्लूएफ इंडिया की ओर से एक फेसबुक लाइव कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संगीतकार मोहित चौहान कहते हैं कि हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा तभी बदलाव संभव है। चौहान कहते हैं कि आप प्रकृति को महसूस करिए, वो प्रकृति के एहसास को समझने के लिए जगह-जगह घूमते हैं। उन्होंने कहा कि अर्थ ऑवर एक बेहतर प्रतीक है। प्रकृति से हम सब कुछ लेते रहते हैं पर उसे देने की जरूरत है। प्रकृति से ही हमारा अस्तित्व है। उसे सहेजना होगा।

जन हितैषी

प्रदूषण का ग्राफ

आईक्यू एयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट-2021 रिपोर्ट में शामिल दुनिया के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में 63 शहर भारत के हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राजधानी दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में है। रिपोर्ट में दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में भारत पांचवें स्थान पर है। इस रिपोर्ट के आंकड़े सिर्फ अकेले भारत के लिए ही चिंता का विषय नहीं हैं बल्कि इसमें बताया गया है कि पूरी दुनिया में वायु की गुणवत्ता बहुत खराब होती जा रही है। रिपोर्ट का दावा है कि दुनिया भर में अलग-अलग देशों से लिए गए कुल 117 देशों के नमूनों में से सिर्फ तीन जगहों की हवा के नमूने में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वच्छता संबंधी मानकों पर खरे उतरे हैं। दरअसल बढ़ता वायु प्रदूषण पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन की एक प्रमुख वजह भी है। यहीं नहीं हर साल दुनियाभर में लाखों लोग खतरनाक रूप से वायु प्रदूषण की वजह से अकाल मौत के मुंह में समा जाते हैं। भारत जैसे विकासशील देश के लिए बढ़ता वायु प्रदूषण एक बहुत ही गंभीर चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी बढ़ जाती है कि साल 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौतें हुई। सरकार की संस्था इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण से वर्ष 1990 से 2019 की अवधि में देश में हवा में मौजूद प्रदूषण की वजह से होने वाली मौतों में 115 फीसद का इजाफा हुआ है। दरअसल चिकित्सा विज्ञान के विशेषज्ञ मानते हैं कि सिर्फ अकेला वायु प्रदूषण ही हमारे फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के 40 फीसदी मामलों के लिए जिम्मेदार होता है। यही नहीं शोधकर्ताओं का मत है कि स्ट्रोक, डायबिटीज, हार्ट अटैक और समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों की मौत के लिए वायु प्रदूषण 60 फीसदी तक जिम्मेदार होता है। एक मीडिया रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2006 से 2015 के बीच देश में श्वास संबंधी गंभीर बीमारियों के करीबन 2.6 करोड़ मामले सामने आए थे जिनमें से अधिकांश के लिए सीधे तौर पर बढ़ता वायु प्रदूषण एक प्रमुख कारक था। वायु प्रदूषण के बारे में लगातार शोध संस्थानों की चेतावनियां हमें सचेत करती हैं। भारत समेत दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित रिसर्च इंस्टीटयूट इस दिशा में शोध कर रहे हैं। विज्ञान एवं पर्यावरण क्षेत्र में क्षेत्रों में एक प्रतिष्ठित संस्थान सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट ने 2013 में ग्लोबल बर्डन डिजीज नामक एक रिपोर्ट जारी की जिसमें बताया गया कि देश में हर साल वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के कारण लाखों असामयिक मौतें होती हैं। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह मौतें दरअसल हवा में बढ़ते पार्टिकुलेट प्रदूषण के कारण होती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2010 के बाद हवा में पार्टिकुलेट प्रदूषण लगभग छह गुना तक बढ़ गया। आईक्यू एयर की यह हालिया रिपोर्ट बताती है कि देश की राजधानी दिल्ली लगातार दूसरे वर्ष दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। दिल्ली में पिछले वर्ष की तुलना में प्रदूषण लगभग 15 फीसदी बढ़ गया है। रिपोर्ट में दावा कहा गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर डब्ल्यूएचओ की सुरक्षा सीमा से लगभग 20 गुना अधिक है। जिसमें वार्षिक औसत प्रदूषण का स्तर 96. 4 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से 10 भारत के हैं। इस तरह अगर हम देखते हैं वायु प्रदूषण अकेला ही हमें कोविड-19 से भी कम नहीं दिखाई देता। चिंता की सबसे बड़ी वजह इसका हमारे बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर है। छोटे शहरों और कस्बों की हवा भी लगातार प्रदूषित होती जा रही है।

तिरंगा का भगवाकरण कितना सही?

(सम सामायिक चिंतन) 'प्रभुता पाए मद जो आयेठ यह उक्ति आज चरितार्थ हो रही हैं, कारण ठनीच निवास ऊंच करतूति, देख सकहिं का परायी विभूतिठ काना व्यक्ति दूसरों का अँधा समझता हैं। आर एस एस के नेता प्रभाकरन का कहना हैं की वे तिरंगा की जगह भगवा झंडा लगाएंगे। यह कोई बड़ी बात नहीं हैं कारण इस समय पुण्य का ठाठ होने से जो करो वह कम हैं।

आर एस एस को अभी सौ वर्ष होने जा रहे हैं, इस संगठन की प्रेणा अप्रत्यक्ष में हिटलरशाही से मिली थी और उसका देश की आजादी में कोई योगदान नहीं रहा। गोलवलकर स्वयं कहा था की संघ को कोई भी योगदान नहीं देना हैं और नहीं दिया। बहुत प्रशंसनीय कदम माना गया था।

विगत 75 वर्ष से देश तिरंगा को नमन कर रहा हैं और करता रहेगा। देशवासियों की भावना को दरकिनार करना बहुमत की सरकार कर सकती हैं। यहाँ एक बात जानना जरूरी हैं की सब दिन एक समान नहीं होते हैं। राजा कब रंक बन जाए कोई नहीं जानता। ये सब पराधीन हैं, जनता के समर्थन से विजयी और जनता के कारण हार निश्चित हैं। अर्श कब फर्श पर आ जाए कोई नहीं जानता। एक बात और हैं जो इतिहास से टकराता हैं और वह इतिहास में विलीन हो जाता हैं।

आज सत्ता में हो तो क्या क्या बदलोगे ?काल के गाल में सब समां गए। समाज / सत्ता परिवर्तनशील हैं, कोई चिरस्थायी नहीं हैं। कब तक राज्य करोगे ?यह एक बड़ी धर्मशाला हैं, आना जाना लगा रहता हैं। पुरानी विरासत से खिलवाड़ करना आसान नहीं हैं। जिस प्रकार मुगलों को मूर्ति भंजक माना जाता रहा हैं उसी श्रेणी में तुम भी आ जाओगे।

इतिहास में किसने किस किस को याद रखा हैं। आप अपनी तीन पीढ़ियों के नाम नहीं जानते ! इतिहास बदलने के प्रयास में खुद न बदल जाओ। अहम किसी का स्थायी नहीं रहा हैं। क्या भगवा झंडा सबको मान्य होगा ?इस बात को देश का विवाद पैदा करना की मुख्य ध्येय हैं तो जरूर करो।

सत्ता के मद में मतिभ्रंश होने लगता हैं। और यह विनाश को ओर ले जाता हैं। कार्य ऐसा हो जो सर्वमान्य हो। रावण, सिकंदर का मद नहीं रहा, राम, कृष्ण आज भी मान्य हैं दूसरों के विचारों को आदर दो अन्यथा एकांतवादी धूल धूसरित हो जाते हैं। (लेखक-- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन /ईएमएस)

दैनिक पंचांग

27 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.55 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	08.35 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.34 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.47 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	15.03 बजे से
शुक्र	मकर में	कन्या	17.15 बजे से
शनि	मकर में	तुला	19.26 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.40 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.56 बजे से
राहुकाल		मकर	02.02 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	03.48 बजे से
		मीन	05.21 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 86 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1944 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 18.05 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 13.32 बजे को समाप्त। **योग** शिव 20.15 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.03 बजे, विष्टि18.05 बजे तदनन्तर बव 05.09 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 02° 30' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871200 **जूलियन दिन** 2459665.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सावान **तारीख** 23

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7237

बाएँ से दाएँ
1. अचंभा,आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि,कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई,काका-2
7. माह,मास-3
9. धावक(अंग्रेजी-3)
11. नया जीवन,उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी,धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर,पाँव-2
18. देवमुनि,देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार,आंवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय,कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे
1. सहसा,अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना,बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ,रास्ता,मार्ग-2

शब्द पहेली -7236 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

चुनावोपरांत ही वरिष्ठ नागरिकों पर प्रहार?

हमारे देश के राजनैतिक दल जब जनता के बीच जाते हैं उस समय तमाम लोक हितकारी बातें किया करते हैं। सत्ता में आने पर कभी कभी इन्हीं लोककुलभावन वादों और बातों में से कुछ को अमली जामा भी पहना देते हैं। परन्तु ऐसा कम ही देखा गया है कि पिछली सरकार द्वारा जारी किसी जनहितकारी योजना विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली छूट अथवा सुविधाओं पर ही पूरी तरह से क़ैंची चला दी जाये। परन्तु स्वयं को लोकहितकारी बताने वाली वर्तमान भाजपा सरकार में तो कम से कम ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

उदाहरण के तौर पर पिछली सरकार द्वारा भारतीय रेल सेवाओं में 53 विभिन्न श्रेणियों में रेल यात्रा में किराये में छूट का प्रावधान था। परन्तु वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार ने कोरोना कॉल में जहाँ रेल संचालन को पहले बिल्कुल बंद किया और बाद में धीरे धीरे रेल संचालन शुरू किया। परन्तु इसी के साथ रेल किराये में जो छूट का प्रावधान था उसे पूरी तरह समाप्त कर दिया गया। जिस समय रेल विभाग द्वारा रेल किराये में मिलने वाली छूट समाप्त की गयी थी उस समय यह कारण बताया गया था कि अनावश्यक रूप से की जाने वाली यात्रा पर नियंत्रण करने तथा कोरोना काल में बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिये रेल किराये में मिलने वाली छूट समाप्त की गयी है। जिन 53 विभिन्न श्रेणियों में रेल यात्रा में किराये में छूट का प्रावधान था उनमें जहाँ खिलाड़ियों,विकलांगों,छात्रों तथा मरीज़ों आदि को रेल भाड़े में निर्धारित छूट दी जाती थी वहीँ वरिष्ठ नागरिकों को भी छूट की यह सुविधा उपलब्ध थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत 58 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं व 60 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को यह सुविधाएं उपलब्ध थीं। परन्तु यह व्यवस्था भी थी कि यदि कोई धन संपन्न वरिष्ठ नागरिक चाहे तो इस व्यवस्था से सीमित लाभ भी ले सकता था अथवा स्वेच्छा से इस सुविधा की अनदेखी भी कर सकता था। परन्तु वर्तमान केंद्र सरकार ने कोविड का बहाना बना कर इन सभी सुविधाओं को पूरी तरह से ही समाप्त कर दिया है।

पिछले दिनों जिस समय उत्तर प्रदेश सहित देश के पांच राज्यों में चुनाव चल रहे थे उन दिनों यह ख़बर सुनी गयी थी कि सरकार शीघ्र ही रेल सेवाओं का सञ्चालन भी पूरी क्षमता के साथ शुरू करने जा रही है। इसी के साथ ही यह ख़बर भी आयी थी कि वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी श्रेणियों में किराये में दी जाने वाली छूट भी जल्द ही बहाल कर दी जायेगी। परन्तु शायद यह ख़बर मीडिया के दुष्प्रचार या सत्ता के आई टी सेल की ओर से चुनाव पूर्व चलाये जाने वाले 'अफ़वाह अभियान ' का ही एक हिस्सा थी। क्योंकि चुनाव बीत जाने के बाद और कई राज्यों में भाजपा की ही सरकार बनने के बावजूद अभी तक न तो रेल गाड़ियां अपनी पूरी क्षमता के साथ चल सकी हैं।और न ही रेल यात्री किराये में मिलने वाली छूट बहाल की जा सकी है। बल्कि ठीक इसके विपरीत पिछले दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के हवाले से समाचार पत्रों में यह निराशा जनक ख़बर ज़रूर पढ़ने को मिली कि रेल यात्री किराये में बुज़ुर्गों को दी जाने वाली छूट पर लगी पाबन्दी बरक़रार रहेगी।

आरक्षित टिकट के अतिरिक्त जहाँ कहीं रेल के टिकट बुकिंग काउंटर खोले गये हैं वहां से भी सामान्य वरिष्ठ नागरिकों को भी सामान्य रेल डिब्बे में यात्रा करने हेतु मिलने वाली छूट नहीं दी जा रही है। सवाल यह है कि सरकार क्या वरिष्ठ नागरिकों को इसी तरह से सम्मान देगी ? अभी भी देश की तमाम ट्रेन्स के अनेक छोटे स्टेशन्स के स्टॉपेज ख़त्म कर दिये गये हैं इससे भी गांव व क़स्बाई लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उधर सरकार ने स्टॉपेज ख़त्म कर ट्रेन को विशेष श्रेणी में डाल कर उसका किराया भी बढ़ा दिया है। इससे भी तमाम यात्रियों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में काफ़ी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसी के साथ ही चुनावोपरांत का एक और तोहफ़ा सरकार द्वारा डीज़ल व पेट्रोल की क़ीमत में दो दिन तक लगातार 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी कर एवं घरेलू एल पी जी गैस के मूल्य में 50 रूपये प्रति सिलिंडर का इज़ाफ़ा कर, आम जनता को दे दिया गया है। संभावना जताई जा रही है कि कच्चे तेल की क़ीमतों में हुई बढ़ोत्तरी की वजह से शायद तेल व गैस के दाम अभी और बढ़ेंगे। सरकार ने सत्ता में वापसी के लिये ग़रीबों की एक नई 'लाभार्थी श्रेणी ' तैयार कर दी है जो कुछ दिनों मुफ़्त का राशन लेकर सरकार को वोट देने को राज़ी है। तो क्या सरकार की नज़रों में लाभार्थियों के सामने वरिष्ठ नागरिकों का कोई मूल्य या सम्मान नहीं ? कम से कम रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के रेल यात्री किराये में बुज़ुर्गों को दी जाने वाली छूट पर लगी पाबन्दी बरक़रार रखने जैसे बयान से तो यही ज़ाहिर होता है। रेल मंत्रालय के इस फ़ैसले को यदि 'चुनावोपरांत सरकार का वरिष्ठ नागरिकों पर प्रहार' कहा जाये तो ग़लत नहीं होगा? (लेखिका- निर्मल रानी/ईएमएस)

रंगमंच में प्रेम का राग है, तो जुदाई का दर्द भी!

(27 मार्च रंगमंच दिवस)

रंगमंच को अभिनय कला का नशा माना जाता है। जिसने भी इस दुनिया में कदम रखा, रंगमंच उसकी रूह में उतर गया। फिर वह चाहकर भी रंगमंच की दीवानगी से खुद को जुदा नहीं कर सकता। दरअसल, रंगमंच इश्क का एक ऐसा दरिया है जिसकी गहराइयों में ज़िंदगी बसती है। वास्तव में यह जीवन का वो रंग है, जिसमें अभिनय की बारीकियां समाई होती है। यही कारण है कि लोगों का इससे कभी जुड़ाव कम नहीं हुआ। राज कपूर और शशि कपूर हिंदी फिल्मों के बड़े अभिनेता थे, पर उनकी जान 'पृथ्वी थिएटर' में बसती थी। इसलिए कि रंगमंच ही वो माध्यम है, जहाँ अभिनय को तराशने का मौका मिलता है।

हर साल 27 मार्च को दुनियाभर में 'रंगमंच दिवस' मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1961 में अंतराष्ट्रीय रंगमंच संस्थान ने की थी। इसका मकसद रंगमंच प्रेमियों को जोड़कर रखना है। लेकिन, आधुनिकता की चकाचौंध ने रंगमंच की चमक को थोड़ा फीका जरूर कर दिया। पहले फिल्म, फिर टेलीविजन और अब ओटीटी के दौर में रंगमंच की ख़नखनाहट थोड़ी कम हो गई। लेकिन, मराठी, बंगाली, इंग्लिश और गुजराती समेत कई भाषाओं में रंगमंच के दीवानों की कमी नहीं है। हिंदी में जरूर रंगमंच पनप नहीं पाया, पर इसनेओम पूरी, नसीरुद्दीन शाह, नाना पाटेकर और स्मिता पाटिल जैसे कुछ सितारे जरूर दिए, जिनका अभिनय करियर बेमिसाल रहा। प्रसिद्ध रूसी-अमेरिकी नाटयकर्मी माइकल चेखव ने रंगमंच को एक 'जीवंत कला' कहा था। यह रंगमंच की सच्चाई को सहजता से रूबरू कराता है और यह दर्शकों को जोड़कर रखता है।

रंगमंच जीवन का ऐसा किस्सा है, जो समाज की दकियानूसी परम्पराओं पर भी सवाल खड़े करता है। इसलिए कहा जा सकता है कि रंगमंच जीवन को दिशा भी देता है। ये समाज की बुराइयों से रूबरू कराता है, तभी तो इसे दिल का सुकून देने वाला माध्यम भी कहा गया। इसमें प्रेम का राग है, तो जुदाई का दर्द भी। रंगमंच ज़िंदगी की हर अच्छी बुरी घटना का जीवंत रूप भी है। यह समाज के अंदर घटने वाली बातों को दर्शकों के माध्यम से जनता तक पहुँचाने की कड़ी है। आज भले ही मनोरंजन के साधनों की भरमार हो गई हो। इंटरनेट की स्पीड ने मनोरंजन को 2-जी से बाहर निकालकर 4जी और 5जी की गति दे दी, फिर भी इसे चाहने वाले दर्शकों से इसे दूर नहीं कर सके।

आज ज्यादातर वही कलाकार सफल है, जो रंगमंच की दुनिया से होते हुए फिल्म, टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुंचे हैं। उनकी अदाकारी में एक अलग ही जीवंतता देखने को मिलती है। वरना टीवी को तो 'बुद्ध बक्से' की संज्ञा दी ही गई है। जबकि, रंगमंच को जीवन का रंग कहा गया। ओम पूरी ने एक बार कहा था कि रंगमंच पर गलती के लिए कोई जगह नहीं है। जो किया वही अंतिम सत्य है। फिल्म और टीवी पर तो टेक पर टेक हो जाते हैं, पर रंगमंच इस सबकी इजाजत नहीं देता। वहां आपका समीक्षक दर्शक होता है, जो सब देखता और समझता है। इसलिए अभिनय का सबसे कठिन माध्यम कोई है तो वो रंगमंच है।

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति है और रंगमंच इसी संस्कृति की देन है। नाटयकला के विकास का श्रेय भी भारत को ही जाता है। ऋग्वेद के सूत्रों में यम और यामी, पुरुरवा और उर्वशी के संवाद मौजूद है। भारत में सदियों पहले ही भरतमुनि ने नाटयशास्त्र की रचना की थी और कहा था कि नाटयशास्त्र हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है, तभी तो इसे पंचमवेद तक की संज्ञा दी गई। पुरातन काल में हमारी संस्कृति और हमारी आस्था को भी नाटक के रूप में मंचन करके प्रस्तुत किया जाता था। जिससे लोगों की आस्था तक रंगमंच में जुड़ी होती थी। रामायण व महाभारत का आज भी मंचन सुदूर-क्षेत्रों में देखा जा सकता है। आधुनिक भारत की बात करें, तो भारतेंदु हरिश्चंद्र ने रंगमंच में प्रयोग का दौर शुरू किया, उन्हें तो हिंदी रंगमंच का पितामह कहा जाता है। आज भी उनके नाटकों का मंचन किया जाता है। भारतेंदु ने अंधेर नगरी चौपट राजा, नील देवी, भारत-दुर्दशा जैसे नाटकों का लेखन किया। लेकिन, कहते हैं न कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और बदलती तकनीक ने हर क्षेत्र में अपना प्रभाव डाला। कहा भी गया कि जो समाज जितना प्रगतिशील होगा वह उतना ही विकसित होगा। साहित्य के क्षेत्र में भी निरंतर परिवर्तन होते आ रहे हैं। नई नई तकनीकों का प्रयोग रंगमंच में भी दिखाई देने लगा है।

भारतीय रंगमंच का इतिहास देश में घटित घटनाओं के कर्मकांड का चिट्ठा है। जो इतिहास को वर्तमान से जोड़ता है। ऐसे में अगर रंगमंच को भी आधुनिकता से जोड़ते हुए आगे बढ़ाने की संभावना तलाशी जाए, तो यह एक सुखद अनुभव वाली बात होगी। क्योंकि, यह बात नि:सन्देह सच है कि तत्कालीन दौर में रंगमंच पर संकट कई तरीके का है। जो अर्थ और प्रोत्साहन के अभाव को झेल रहा है, लेकिन एक बात यह तय मानिए कि रंगमंच एक कला है, जो हर व्यक्ति के अंदर कहीं न कहीं जीवित है। ऐसे में नाटक और रंगमंच के मरने का तो सवाल ही नहीं उठता। बस उसे प्रोत्साहित करने की जरूरत है। जिसके लिए प्रयास सामूहिक होना चाहिए। रंगमंच एक बहुआयामी विधा है, जो लगातार कलाकार और दर्शक की रचनात्मकता का विस्तार करती है। रंगमंच का विस्तार साहित्य से कहीं अधिक है। टेलीविजन लोगों के बेडरूम तक घुस गया, लेकिन रंगमंच की जगह वो कभी नहीं ले सकता। क्योंकि, रंगमंच अपने दर्शकों से एक तादात्म्य स्थापित करता है। जबकि, टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म अश्लीलता की तरफ बढ़ गए, जिनका सरोकार संस्कृति और संस्कृति से कोई लेना- देना नहीं। ऐसे में रंगमंच के जीवित रहने से न सिर्फ कुछ घरों का रोजगार ज़िंदा रहेगा। बल्कि हमारी एक पुरातन संस्कृति भी संरक्षित रहेगी। - (लेखिका पत्रकार और सामाजिक विषयों की चिंतक है) (लेखिका - सोनम लववंशी/ ईएमएस)

आज का इतिहास-27 मार्च

1794 अमेरिकी नौसेना अस्तित्व में आई.
1802 ब्रिटेन,फ्रांस,स्पेन और बाटविया गणराज्य के बीच हुई संधि के तहत ब्रिटेन ने त्रिनिदाद और श्रीलंका पर अपना कब्जा बरकरार रखा.
1847 मेक्सिको और अमेरिका के बीच हुए युद्ध में अमेरिकी सैनिकों ने वेरा क्रूज किले की नाकाबंदी की.
1884 अमेरिका में बेल टेलीफोन कंपनी बोस्टन से न्यूयार्क सिटी के बीच टेलीफोन संपर्क पहली बार हुआ.
1925 ग्रेट ब्रिटेन के शासक जेम्स प्रथम का निधन .
1923 थर्मस फ्लास्क आविष्कारक स्काटिश वैज्ञानिक जेम्स डेवार का निधन.
1933 जापान ने लीग ऑफ नेशंस छोड़ने की घोषणा की थी.
1941 द्वितीय विश्व युद्ध में यूगोस्लाविया के प्रिंस पॉल को सैनिक क्रांति से हटा दिया गया.
1968 विश्व के प्रथम अंतरिक्ष यात्री यूरी गगारिन की मौत एक विमान दुर्घटना में हुई.
1977 राष्ट्रीय आपात स्थिति की घोषणा को वापस ली गई.
1977 डच और अमेरिकी बोइंग विमानों के बीच हुई टक्कर में 583 यात्री मारे गये.
1995 दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने अपनी पत्नी विनी मंडेला को पद से हटा दिया.

राजनीतिक चक्रव्यूह में फंसे इमरान खान

क्रिकेटर से राजनीति में पदार्पण करने वाले इमरान खान अभी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन इमरान खान अपना कार्यकाल पूरा कर पाएंगे, इस बात की उम्मीद बहुत कम ही दिखाई दे रही है। इसका कारण यही है कि वे राजनीति के ऐसे चक्रव्यूह में इस प्रकार से घिरते हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां से निकलने का कोई भी मार्ग दिखाई नहीं दे रहा है। या यह कहा जाए कि उनके निकलने के सारे मार्ग बंद हो चुके हैं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के कुछ सांसदों के अलावा दो बड़े राजनीतिक दल इमरान खान के विरोध में पहले से ज्यादा मुखर हो चुके हैं। इस जबरदस्त विरोध के चलते अब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की कुर्सी खतरे में आ गई है। संभावना इस बात की भी बनने लगी है कि इमरान खान या तो स्वयं ही कुर्सी से उतर जाएंगे या फिर जबरदस्ती उतार दिए जाएंगे। ऐसी स्थिति में इमरान खान की स्थिति एक तरफ कुआ तो दूसरी तरफ खाई वाली होती जा रही है।

पाकिस्तान के बारे में यह स्पष्ट मान्यता है कि वहां सरकार के अलावा सेना और आईएसआई शक्तिशाली संस्थान हैं। इसलिए किसी भी सरकार द्वारा इन दोनों की कतई उपेक्षा नहीं की जा सकती। समझा जाता है कि इमरान खान सेना और आईएसआई के समर्थन के चलते ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन सके थे। अब इमरान खान का इन दोनों से छत्तीस का आंकड़ा है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यही कहा जा रहा है कि अब पाकिस्तान की राजनीतिक स्थितियां इमरान खान के अनुकूल नहीं हैं। वैसे भी यह पाकिस्तान का इतिहास रहा है कि अब तक कोई भी प्रधानमंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है। इमरान खान के समक्ष ऐसी स्थितियां निर्मित हुई हैं कि ऐसा लगता है कि वे भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे।

इमरान खान के पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पनामा प्रकरण में दोषी करार देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अयोग्य घोषित कर दिया था और इसके बाद नवाज शरीफ को इस्तीफा देना पड़ा था। 97 में दोबारा प्रधानमंत्री बने और 99 तक प्रधानमंत्री रहे। 2013 में तीसरी बार नवाज शरीफ ने पाकिस्तान में प्रधानमंत्री का पदभार संभाला, लेकिन 2017 में उनकी कुर्सी चली गई। इस बीच 1999 में पाकिस्तान में एक बार फिर सैनिक शासन लागू हो गया और तीन साल तक सत्ता सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ के हाथों में रही। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने और कार्यकाल पूरा होने से पहले ही पद से च्युत होने का मामला केवल नवाज शरीफ तक ही सीमित नहीं है। इसके पूर्व भी पाकिस्तान ने ऐसी हालातों का सामना किया है। लियाकत अली खान पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री थे। मुस्लिम लीग के लियाकत अली खान की अक्टूबर 1951 में गोली मारकर हत्या कर दी जाती है। उनकी हत्या के बाद ख्वाजा नाजीमुद्दीन ने सत्ता संभाली। बमुश्किल दो साल ही इस कुर्सी पर थे, तब तक गवर्नर जनरल ने उन्हें पद से हटा दिया। उनके बाद मोहम्मद अली बोगला ने सत्ता का संचालन किया, परंतु वह भी कुछ ही महीनों के ही मेहमान रहे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के समक्ष एक और बड़ी परेशानी यह भी है कि वर्तमान में पाकिस्तान बहुत बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जिसके लिए पाकिस्तान की जनता सीधे तौर पर प्रधानमंत्री इमरान खान को जिम्मेदार मान रही है। कोरोना संक्रमण के समय उत्पन्न हुई स्थितियों के चलते जिस प्रकार से महंगाई बढ़ी थी, उसके कारण सरकार पर संकट के बादल पहले से ही मंडरा रहे थे, लेकिन अब यह बादल और ज्यादा घने होते जा रहे हैं। जिसमें इमरान खान पूरी तरह से विलुप्त होते दिखाई दे रहे हैं।

वर्तमान राजनीतिक अस्थिरता के दौर में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के समक्ष उत्पन्न हुई स्थितियां उनके राजनीतिक जीवन की सबसे कठिन परीक्षा मानी जा रही है। इसमें सबसे प्रमुख बात यही है कि इमरान खान और सेना प्रमुख के बीच पैदा हुई खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है, जिसके कारण यह भी माना जा रहा है कि इमरान खान सेना प्रमुख बाजवा को पद से अलग करने का मन बना चुके हैं। पाकिस्तान का इतिहास यह बताने के लिए काफी है कि जिस सरकार ने सेना के विरोध में कदम उठाया है, उनमें से कई सरकारों के मुखिया को बेइज्जत होकर अपना पद छोड़ना पड़ा है। यहां तक कि पाकिस्तान के लिए सरकार का तख्ता पलट होना भी कोई नई बात नहीं है। वैसे भी यह भी ख़बर आ रही है कि सेना प्रमुख और आईएसआई ने इमरान खान को पद से अलग होने की स्पष्ट चेतावनी दे दी है। इसके अलावा पाकिस्तान के विपक्षी दलों की ओर से अविश्वास प्रस्ताव भी लाया गया है। जिसके समर्थन में इमरान की पार्टी के कुछ सांसद भी हैं। इसलिए यही माना जा रहा है कि इस बार इमरान खान को प्रधानमंत्री के पद से हाथ धोना ही पड़ेगा। (लेखक - सुरेश हिन्दुस्थानी / ईएमएस)

खेल - समाचार

सूजी पांच हजार रन बनाने वाली न्यूजीलैंड की पहली महिला क्रिकेटर बनी

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। न्यूजीलैंड की अनुभवी सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 2022 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के आखिरी लीग मैच में 126 रन की शतकीय पारी खेलने के दौरान ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। सूजी एकदिवसीय क्रिकेट में पांच हजार रन बनाने वाली विश्व की चौथी और न्यूजीलैंड की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। सूजी के अलावा उनकी ही साथी खिलाड़ी एमी सैटरथवेट के नाम 4639 एकदिवसीय रन हैं। इस बल्लेबाज के नाम अब 5045 एकदिवसीय रन हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज 7737 रनों के साथ इस सूची में पहले, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 5992 रनों के साथ दूसरे और वेस्ट इंडीज की स्टेफनी टेलर 5250 रनों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

बेट्स की शतकीय पारी से ही कीवी टीम ने शनिवार को इस मैच में पाकिस्तान को हराया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 265 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 266 के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम नौ विकेट पर 194 रन ही बना पायी।

इक्वेडर और उरूग्वे ने विश्व कप फुटबॉल के लिए क्वालीफाई किया

साओ पाउलो (ईएमएस)। इक्वेडर और उरूग्वे ने इस साल के अंत में कतर में होने वाले विश्व कप फुटबॉल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं तीसरे स्थान की टीम इक्वेडर को पराग्वे के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर इसके बाद भी वह क्वालीफाई करने में सफल रही क्योंकि उरूग्वे ने पेरू को 1-0 से हरा दिया।

इक्वेडर और उरूग्वे दोनों के अब 25 अंक हो गए हैं और अब किसी अन्य टीम के यहां तक पहुंचने की संभावना नहीं हैं। वहीं ब्राजील और अर्जेंटीना ने पहले ही विश्व कप के लिए प्रवेश हासिल कर लिया है। दक्षिण अमेरिका से पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ में एशियाई टीम से भिड़ेगी। पेरू के 21 अंक हैं और वह पराग्वे पर जीत दर्ज करके यह स्थान हासिल कर सकता है।

विश्व बैडमिंटन फेडरेशन ने चार चीनी एथलीटों पर प्रतिबंध लगाया

कुआलालंपुर (ईएमएस)। विश्व बैडमिंटन फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) ने नियमों के उल्लंघन के आरोप में चार चीनी एथलीटों पर प्रतिबंध के साथ ही जुर्माना भी लगाया है। यह प्रतिबंध तीन महीने के लिए रहेगा। जिन खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। वे हैं जिलिंग, टैन कियांग, ली जुन्हुई (अब सेवानिवृत्त) और लियू युचेन। इनपर सट्टेबाजी, दांव लगाने और अनियमित मैच परिणामों के साथ ही बीडब्ल्यूएफ नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। फेडरेशन की सुनवाई समिति ने प्रत्येक खिलाड़ी को बैडमिंटन से संबंधित सभी गतिविधियों से तीन महीने के लिए प्रतिबंधित किया है पर 25 जनवरी, 2022 से शुरू होने वाली दो साल की अवधि वाली सजा को निलंबित कर दिया हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि दो साल के अंदर नियमों का उल्लंघन होता है तो तीन महीने के प्रतिबंध के साथ ही प्रत्येक खिलाड़ी को फूजौ चाइना ओपन 2018 की अपनी पुरस्कार राशि भी गंवानी पड़ेगी। एथलीटों को सूचना के तहत 21 दिनों के अंदर कोर्ट ऑफ आर्बिटेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) में फैसले के खिलाफ अपील करने का अधिकार था पर किसी खिलाड़ियों ने कोई अपील दर्ज नहीं की।

आईसीसी ने हमजा पर प्रतिबंध लगाया

दुबई (ईएमएस)। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने डोप टेस्ट में विफल रहने के कारण दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज जुबैर हमजा पर अस्थायी रुप से प्रतिबंध लगा दिया है। हमजा पर यह पाबंदी इसलिए लगायी गयी है क्योंकि जांच के लिए गये उनके नमूने में प्रतिबंधित दवा फुरोसेमाइड के अंश मिले हैं। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा कि हमजा को डोपिंग निरोधक नियम के उल्लंघन के कारण अस्थायी रुप से निलंबित किया गया है। उन्हें 17 जनवरी 2022 को हुई जांच में फुरोसेमाइड के सेवन का दोषी पाया गया था। ऐसे में अब यह अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी होने तक यह निलंबित रहेंगे। आईसीसी ने कहा कि हमजा के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

अगले साल से शुरु होगा महिला आईपीएल : बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। अब अगले साल से भारत में भी महिला क्रिकेटरों के लिए भी आईपीएल शुरु होना तय माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले साल से छह टीमों के महिला आईपीएल का एक प्रस्ताव रखा था जिसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की गवर्निंग काउंसिल ने स्वीकार कर लिया। बीसीसीआई के अनुसार महिला क्रिकेटरों के लिए छह टीम वाला एक ट्वेंटी 20 टूर्नामेंट शुरू होगा। इसमें पहली वरीयता वर्तमान आईपीएल फ्रेंचाइजी टीमों को दी जाएगी हालांकि इस साल सामान्य महिला ट्वेंटी-20 मुकाबले वाला टूर्नामेंट ही खेला जाएगा। गवर्निंग काउंसिल के अनुसार देश में महिला आईपीएल क्रिकेट के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। इसके तहत आईपीएल की वर्तमान फ्रेंचाइजी से पूछा जाएगा कि क्या उनके पास महिला टीम हो सकती है। इस टीम की संभावना समाप्त होने के बाद ही बीसीसीआई अन्य पार्टियों को फ्रेंचाइजी लेने के लिए बुलाएगी। पिछले काफी साल से देश में महिला आईपीएल की मांग की जा रही है। इससे उभरती हुई महिला क्रिकेटरों को आगे आने का मंच मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें दुनिया भर की खिलाड़ियों के साथ खेलने का भी अवसर मिलेगा।

अंशु , सरिता एशियाई महिला चैम्पियनशिप में भारतीय कुश्ती टीम का नेतृत्व करेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंशु मलिक और सरिता मोर मंगोलिया के उलानबटेर में अगले माह 19 से 24 अप्रैल के बीच होने वाली एशियाई महिला चैम्पियनशिप में दस सदस्यीय भारतीय महिला कुश्ती टीम का नेतृत्व करेंगी। अंशु ने ओस्लो में 2021 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था । वह 57 किलो वर्ग में भाग लेंगी जबकि सरिता 59 किलो वर्ग में उतरेंगी। सरिता ने साल 2021 विश्व चैम्पियनशिप में अपने वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

एशियाई महिला चैम्पियनशिप के लिए टीम का चयन लखनऊ में साइ प्रशिक्षण केंद्र पर ट्रायल के बाद हुआ। ट्रायल में 62 किलो वर्ग में मनीषा ने ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक को 5-1 से हराया। वहीं एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट ट्रायल में नहीं शामिल हुई। मनीषा 50 किलो, स्वाति शिंदे 53 किलो, सुषमा शोकीन 55 किलो, राधिका 65 किलो, सोनिका हुड्डा 68 किलो , निक्की 72 किलो और सुदेश 76 किलो वर्ग को टीम में शामिल किया गया है। एशियाई चैम्पियनशिप 19 से 24 अप्रैल के बीच खेली जायेगी।

स्वियातेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली पोलैंड की पहली खिलाड़ी बनी

मियामी गार्डस (ईएमएस)। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने मियामी ओपन टेनिस के महिला एकल के दूसरे दौर में स्विटजरलैंड की विक्टोरिया गोलुबिक को 6-2, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही स्वियातेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली पोलैंड की पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी के खेल को अलविदा कहने के बाद से ही यह तय था कि स्वियातेक शीर्ष पर पहुंचना तय माना जा रहा था। डब्ल्यूटीए रैंकिंग शुरू होने के बाद से स्वियातेक नंबर एक पर पहुंचने वाली 28वीं महिला खिलाड़ी बनी हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में अमेरिका की कोको गॉ ने चीन की वांग कियांग को 7-5, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। इसके अलावा ब्राजील की बीट्रिज हदाद माइया ने मारिया सक्कारी को 4-6, 6-1, 6-2 से पराजित किया जबकि शेल्बी रोजर्स ने लातविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 7-6 से हराया।

दूसरी ओर पुरुष वर्ग में 16वीं रैंकिंग वाले रीली ओपेलका कंधे में दर्द के कारण अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुन्डोलो के खिलाफ मैच के बीच में ही हट गये। एक अन्य मुकाबले में ह्यूगो गास्टन ने 20वीं रैंकिंग वाले अमेरिकी जॉन इसनेर को 7-6, 6-4 से हराया। एक अन्य मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 166वीं रैंकिंग वाले बोरना कोरिच को 6-4, 3-6, 6-3 से हराया। निक किर्गियोस ने पांचवीं रैंकिंग वाले आंद्रेइ रूबलेव को 6-3, 6-0 से शिकस्त दी।

नहीं चला रवींद्र जडेजा की कप्तानी का जादू, चेन्नई को कोलकाता ने हराया

नई दिल्ली। आइपीएल के 15वें सीजन का पहला मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और पिछले साल की उप-विजेता टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। इस मैच में केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने एम एस धौनी के नाबाद अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाए। केकेआर को जीत के लिए 132 रन का टारगेट मिला था जिसे इस टीम ने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया और 6 विकेट से मैच में जीत दर्ज की।

रवींद्र जडेजा की कप्तानी में सीएसके आइपीएल 2022 में अपने पहले ही मैच में केकेआर के हाथों हार गई तो वहीं केकेआर के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने जीत के साथ इस सीजन का आगाज किया। इस मुकाबले में केकेआर की टीम सीएसके पर पूरी तरह से हावी दिखी और जडेजा की कप्तानी का जादू तो कम से कम इस मैच में नहीं दिखा। केकेआर ने इस मैच में 18.3 ओवर में 4 विकेट पर 133 रन बनाए। आइपीएल के 15वें सीजन का आगाज मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर सीएसके और केकेआर के मुकाबले के साथ हुआ। इस मैच में सीएसके को केकेआर के हाथों हार मिली और उसकी शुरुआत खराब रही।

केकेआर की तरफ से अजिंक्य रहाणे और वेंकटेश अय्यर ने पारी की शुरुआत की और दोनों के बीच में पहले विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को ब्रावो ने अय्यर को 16 रन पर आउट करके तोड़ दिया। नीतीश राणा को ब्रावो ने अंबाती रायुडू के हाथों कैच करवा दिया और उन्होंने 21 रन की पारी खेली। अजिंक्य रहाणे ने 34 गेंदों पर 44 रन की अच्छी पारी खेली, लेकिन सैंटनर ने उनकी पारी का अंत कर दिया। बिलिंग्स को ब्रावो ने 25 रन पर आउट कर दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं सीएसके की तरफ से ब्रावो सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। ब्रावो ने आइपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में लसिथ मलिंगा की बराबरी कर ली और दोनों के अब 170 विकेट हो गए हैं। ब्रावो अब अगर एक विकेट लेते हैं तो वो मलिंगा को पीछे छोड़ देंगे।

सीएसके की शुरुआत अच्छी नहीं रही और रितुराज गायकवाड़ बिना खाता खोले ही उमेश यादव की गेंद पर नीतीश राणा के हाथों कैच आउट हो गए। इस टीम का दूसरा विकेट कानवे के रूप में गिरा और वो 3 रन बनाकर उमेश यादव की गेंद पर कैच आउट हुए। राबिन उथप्पा ने टीम के लिए 28 रन बनाए और स्टंप आउट हो गए तो वहीं अंबाती रायुडू 15 रन बनाकर रन आउट हुए। शिवम दूबे भी टीम के लिए अच्छी पारी नहीं खेल पाए और 3 रन बनाकर रसेल की गेंद पर सुनील नरेन को कैच थमा बैठे। एम एस धौनी ने इस सीजन के पहले ही मैच में 38 गेंदों पर नाबाद एक छक्के और 7 चौकों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेली तो वहीं कप्तान जडेजा 26 रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर की तरफ से उमेश यादव ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए।

हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के तेल डिपो पर किया रॉकेट हमला

आबूधाबी (ईएमएस)। सऊदी अरब के जेद्दा स्थित तेल डिपो में भयानक आग लग गई है। आग लगने की वजह रॉकेट हमलों को बताया गया है। हमले की जिम्मेदारी यमन के हूती विद्रोहियों ने ली है। बता दें कि, हूती विद्रोहियों द्वारा हमला सबसे बड़ा माना जा रहा है और हमलावर ने उस डिपो को ही निशाना बनाया है, जहां हाल के दिनों में भी हूती विद्रोहियों ने हमला किया था। हमले में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। यह हमला उत्तरी जेद्दा बल्क प्लांट पर हुआ है। हमले के बाद सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कोई बयान जारी नहीं किया है।

हूती विद्रोहियों का डिपो को निशाना बनाना शत्रुतापूर्ण ऑपरेशन था, यह हमले जानबूझकर किए गए है। सऊदी नीत गठबंधन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल तुर्क अल-मल्की ने कहा कि, इन हमलों से सऊदी अरब की वैश्विक अर्थव्यवस्था को खराब करने की साजिश रची जा रही है। लेकिन इस हमले से सार्वजनिक जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। इस हमले में सऊदी अरब के दो टैंक क्षतिग्रस्त हो गए है। इस हमले की ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने भी निंदा की है।

इमरान की 'विदाई' की तारीख तय! 4 अप्रैल को पेश होगा अविश्वास प्रस्ताव

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान से लगातार ऐसी रिपोर्ट्स आ रही हैं, कि पीएम इमरान की सरकार कभी भी गिर सकती है। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं है। इसके बाद पार्टी गठबंधन की सरकार चला रही है। अब पाकिस्तानी गृहमंत्री शेख रशीद ने बताया है कि इमरान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान 3 या 4 अप्रैल को होने की संभावना है।

इस्लामाबाद में मीडिया से बताकर रशीद ने कहा है कि अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्ष ने असल में इमरान खान की मदद की है। अविश्वास प्रस्ताव के कारण पीएम इमरान की लोकप्रियता और बढ़ गई है। रशीद ने कहा है कि मैंने इमरान खान से जल्द चुनाव करवाने की अपील की है। उन्होंने सफाई देकर कहा है कि जल्द चुनाव का विचार उनकी अपनी राय थी और इस पकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के रुख के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

विपक्ष को 'मूर्खतापूर्ण करार देकर राशिद ने कहा कि उनके अविश्वास प्रस्ताव वाले कदम ने पीएम इमरान खान को लोकप्रियता के उस स्तर पर पहुंचा दिया है जहां जल्दी चुनाव कराने का यह सही समय है। उन्होंने आगे कहा है कि मैं एक शानदार बजट पेश करने के बाद जल्द चुनाव की मांग कर रहा हूं क्योंकि इस अक्षम विपक्ष ने हमें फिर से जीतने का रास्ता आसान कर दिया है।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 342 सदस्य होते हैं। माने सरकार में बने रहने के लिए इमरान खान को 172 सीटें चाहिए होगी। इमरान खान को मौजूदा वक्त में 176 सांसदों का सपोर्ट हासिल है। इसमें इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के 155 सदस्य हैं।

रुस के सोने के भंडार को राख बनने में जुटे अमेरिका और उसके सहयोगी देश

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी हमले से पश्चिमी देश नाराज हैं। अमेरिका सहित पश्चिमी देश रूसी इकॉनमी को बर्बाद करने की हर कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए इन देशों ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद कई सारे प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने कहा कि वे रूस के साथ किसी भी प्रकार के वित्तीय लेनदेन को ब्लॉक करने जा रहे हैं, इसमें सोना भी शामिल है। यह कदम रूस के अंतरराष्ट्रीय रिजर्व के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के मकसद से उठाया गया है। यह प्रतिबंध जी-7 और यूरोपियन यूनियन के देशों द्वारा लगाए गए हैं। बता दें कि जी-7 के देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी इटली और जापान शामिल हैं।

अमेरिका ने क्रीमिया पर रूसी हमले के चलते रूस पर प्रतिबंध लगाए थे। इसके बाद 2014 में रूस ने ज्यादा सोना खरीदना शुरू किया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक रूस के पास अब 100 अरब से लेकर 140 अरब डॉलर सोने का भंडार है। बता दें यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद जब रूस को बैंकिंग सिस्टम से बाहर कर दिया गया, तब रूस ने 28 फरवरी को ऐलान किया कि वह सोने की खरीद फिर शुरू करेगा।

अमेरिका की ओर से कहा गया है कि रूस प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने के लिए अपनी करेंसी को सपोर्ट करने के लिए सोने का उपयोग कर सकता है। बता दें कि सोने में लेनदेन को ब्लॉक करने की घोषणा जी-7 और यूरोपिय यूनियन के देशों ने की है। इससे सोने के भंडार पर प्रतिबंध लगेगा। अमेरिका राजस्व विभाग के नए दिशानिर्देशों के मुताबिक, अमेरिका के गोल्ड डीलर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, बायर्स और वित्तीय संस्थानों समेत अमेरिकी नागरिक रूस के साथ सोने की खरीद या बिक्री नहीं कर सकते हैं। इन प्रतिबंधों से रूस के साथ सोने की लेनदेन करने वाले विभिन्न पक्षों पर भी असर होगा।

वहीं रूसी करेंसी कमजोर होती जा रही हैं, इन प्रतिबंधों के चलते रूसी करेंसी को मजबूत करने की क्षमता पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके साथ ही जो पक्ष रूसी सोने का लेनदेन करते हैं, उन पर भी असर होगा। सोने के लेनदेन पर प्रतिबंध लगने से उन वित्तीय लेनदेन ऊपर भी रोक लग जाएगी, जो कई देश अभी भी रूस के साथ व्यापार जारी रखने के लिए कर रहे हैं।

पाकिस्तान और उत्तर कोरिया का परमाणु मिसाइल गठजोड़ क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कार्रवाई की मांग की

न्यूयार्क (ईएमएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के परमाणु-मिसाइल गठजोड़ के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई करने की मांग की है। भारत ने कहा है कि यह गठजोड़ क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद से कहा कि भारत का मानना है कि हमारे क्षेत्र में डीपीआरके (डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक आफ कोरिया) से संबंधित परमाणु एवं मिसाइल तकनीक के प्रसार का तत्काल समाधान निकालने की आवश्यकता है। गठजोड़ का भारत सहित क्षेत्र में शांति और सुरक्षा पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

तिरुमूर्ति ने उत्तर कोरिया का औपचारिक रूप से नाम लिया, लेकिन कूटनीतिक कारणों से तिरुमूर्ति ने पाकिस्तान का उल्लेख नहीं किया। फिर भी यह स्पष्ट था कि वह उत्तर कोरिया से मिसाइल तकनीक लेने के लिए इस्लामाबाद द्वारा गुप्त रूप से की गई परमाणु तकनीक की अदला-बदली की ओर इशारा कर रहे थे। इसी सहयोग ने प्योंगयांग को परमाणु हथियार विकसित करने में सहायता की और इस्लामाबाद ने मिसाइल तैयार किया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि अमेरिका के आग्रह पर आयोजित परिषद की बैठक में बोल रहे थे। अमेरिका ने उत्तर कोरिया द्वारा गुरुवार को लांच की गई अंतर महादेश बैलिस्टिक मिसाइल (आइसीबीएम) पर चर्चा के लिए परिषद की बैठक बुलाई थी।

नेपाल ने कालापानी को फिर से बताया अपने क्षेत्र का हिस्सा

-भारत-नेपाल के सीमा विवाद को संवाद से हल किया जाना चाहिए

काठमांडू(ईएमएस)। प्रख्यात नेपाली भूगोलवेत्ता बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने अपनी नयी किताब में दावा किया है कि लिपुलेक, कालापानी और लिम्पियाधुरा समेत कुछ क्षेत्र नेपाल का हिस्सा हैं। भारत और नेपाल दोनों कालापानी को अपने क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा बताते हैं। भारत इसे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का और नेपाल धारचुला जिले का हिस्सा बताता है।

यहां 'कलेक्शन ऑफ हिस्टॉरिकल बाउंड्री मैप्स रिलेटिड टू नेपाल' नाम की किताब के विमोचनकार्यक्रम में श्रेष्ठ ने दावा किया कि लिपुलेक, कालापानी और लिम्पियाधुरा समेत काली नदी का पूर्व का हिस्सा नेपाल का हिस्सा है। श्रेष्ठ ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद को संवाद के जरिए हल किया जाना चाहिए और अगर बातचीत से मामला नहीं सुलझ सकता तो फिर मध्यस्थता के लिए तीसरे देश की मदद मांगी जा सकती है।

दिवालिया घोषित हुई रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक

- 25 हजार होम बायर्स की बढ़ गई मु?श्किलें

मुंबई (ईएमएस)। रियल्टी कंपनी सुपरटेक लिमिटेड के खिलाफ 25 मार्च को दिवालिया प्रक्रिया शुरू हो गई है। सुपरटेक पर यूनियन बैंक का काफी कर्ज बकाया है। कर्ज लौटाने पर कंपनी के बार-बार डिफॉल्ट करने की वजह से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की दिल्ली बेंच के पास सुपरटेक के खिलाफ इनसॉल्वेंसी की याचिका दायर की थी। बैंक की इस याचिका को एनसीएलटी ने स्वीकार कर लिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद में सुपरटेक की कई परियोजनाएं अभी पूरी नहीं हुई हैं। अब सुपरटेक की दिवालिया प्रक्रिया शुरू होने से करीब 25 हजार लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जिन्होंने सुपरटेक के प्रोजेक्ट्स में घर बुक किए थे, परंतु अभी तक उन्हें घर का कब्जा नहीं दिया गया है। घर खरीदने वाले पिछले कई वर्षों से घर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने दिवाला और दिवालियापन संहिता के तहत सुपरटेक के लिए इन-सॉल्वेंसी रेज्योलूशन प्रोफेशनल हितेश गोयल को नियुक्त किया है। ट्रिब्यूनल ने इस मामले में निर्णय 17 मार्च 2022 को सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले सुपरटेक ने यूनियन बैंक को एकमुश्त सारी बकाया राशि लौटाने के प्रस्ताव को नकार दिया था। दोनों पक्षों की दलीलों को को सुनने के बाद एनसीएलटी ने सुपरटेक को इनसॉल्वेंसी में डाल दिया है। हालांकि अभी इस बात की जानकारी नहीं है कि सुपरटेक पर यूनियन बैंक का कितना कर्ज है। इस मामले में अभी कोर्ट के लिखित आदेश का इंतजार है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इस सप्ताह भी आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इस सप्ताह भी गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुताबिक इसमें 2.6 अरब डॉलर की कमी आई है और यह घटकर 619.6 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले सप्ताह इसमें 10 अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई थी। आरबीआई की ओर से पेश की गई जानकारी के मुताबिक सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण भारत के स्वर्ण भंडार में भी कमी देखने को मिली है और गोल्ड रिजर्व 1.7 अरब डॉलर कम होकर 42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। फॉरन करेंसी असेट यानी एफसीए में 703 मिलियन डॉलर की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 553 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया। गौरतलब है कि 11 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.6 अरब डॉलर गिरकर 622.3 अरब डॉलर रह गया था। यह बीते दो वर्षों में सबसे तेज साप्ताहिक गिरावट रही। बीते दो सालों की बात करें तो इससे पहले 20 मार्च 2020 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 11.9 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई थी।

भारत-चीन के संबंध सही दिशा में बने रहना चाहिए:वांग यी

-सीमा मुद्दे पर मतभेदों को यथोचित स्थान पर रखना चाहिए

-द्विपक्षीय संबंधों बढ़ावे के लिए तीन सूत्री दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा

बीजिंग(ईएमएस)। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चीन और भारत को सीमा मुद्दे पर अपने मतभेदों को द्विपक्षीय संबंधों में यथोचित स्थान पर रखने का सुझाव देते हुए कहा कि दोनो देशों के संबंध सही दिशा में बने रहना चाहिए। वांग ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बातचीत की। वांग ने द्विपक्षीय संबंधों बढ़ावा देने के लिए तीन सूत्री दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा। शिन्हुआ की खबर के अनुसार, पहला, दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकालिक दृष्टि से देखना चाहिए। दूसरा, उन्हें एक-दूसरे की उन्नति को सकारात्मक मानसिकता के साथ देखना चाहिए। तीसरा, दोनों देशों को सहयोग के रवैये के साथ बहुपक्षीय प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए।

खबर के अनुसार, ''चीनी मंत्री ने कहा कि दोनों देशों को अपने मतभेदों को द्विपक्षीय संबंधों में उचित स्थान पर रखना चाहिए और चीन-भारत संबंधों की सही दिशा में बने रहना चाहिए।'' वांग राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ भारत-चीन सीमा वार्ता के लिए चीन के विशेष प्रतिनिधि भी हैं। मई 2020 में लद्दाख गतिरोध शुरू होने के बाद से किसी उच्च पदस्थ चीनी अधिकारी की यह पहली यात्रा है। नई दिल्ली में आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि लगभग दो वर्षों में भारत और चीन के बीच पहली बड़ी राजनयिक बैठक में, वांग और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में गतिरोध और यूक्रेन में संकट के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक उथल-पुथल के संबंध में शुक्रवार को व्यापक बातचीत की। सूत्रों ने बताया कि जयशंकर के साथ बातचीत से पहले वांग ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल से मुलाकात की और सीमा विवाद पर व्यापक बातचीत की। गौरतलब है कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले बिंदुओं में समस्या के समाधान के लिए उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता कर रहे हैं। वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुछ टकराव बिंदुओं से पहले ही अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है।

वरमाला के दौरान हुई ऐसी घटना, लड़की ने कहा-चल भाग, नहीं करूंगी शादी; रोते-रोते लौटा दूल्हा

शंभूगंज (बांका)। बांका जिला के शंभूगंज प्रखंड के मंझगाय के प्रकाश मंडल के पुत्र सौरभ कुमार की शादी समुखियामोड़ में तय हुई थी। प्रकाश मंडल घर से करीब पांच दर्जन बाराती लेकर धूम-धाम के साथ समुखियामोड़ पहुंचे थे। लड़की के घर पहुंचते ही पहले सभी बारातियों का खातिरदारी हुई। जब बारात लड़की के द्वार पर पहुंची तो दूल्हे राजा सेहरा बांधे वरमाला स्टेज पर विराजमान हुए।

लड़की हाथों में फूल माला लिए स्टेज पर गई। इस दौरान किसी बाराती ने बाहर पटाखे छोड़ दिया। पटाखे की जोरदार आवाज से दूल्हे राजा को मिर्गी आ गई और स्टेज पर ही मूर्छित होकर गिर पड़े। यह देख लड़की दंग रह गई और शादी नहीं करने की बात कह वापस घर चली गई। वरमाला पंडाल में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। लड़की पक्ष बारातियों पर यह कहकर बरसने लगे कि लड़के को मिर्गी दौरा की बात छिपाई क्यों गई।

लड़की ने साफ मना कर दिया कि वह उससे शादी करेगा। लड़का बीमार है। लड़की को काफी समझाया गया, लेकिन वह नहीं मानी। वधु पक्ष के लोगों ने भी लड़की को काफी समझाया, लेकिन उसने साफ कहा कि क्या तुम लोग मेरा भविष्य खराब कर दौगी। वह शादी करने को तैयारी नहीं हुई।

इस बीच बाराती पक्ष के प्रकाश मंडल सहित अन्य लोग कहते रह गए कि मिर्गी का इलाज चल अब अंतिम चरण में है। जल्द ही ठीक हो जाएगा। शादी करने में ऐतराज नहीं होनी चाहिए। प्रकाश मंडल पुत्र की शादी के लिए आरजू-विनती करते रहे। समुखियामोड़ के भी कई लोगों ने समझाया, लेकिन लड़की शादी नहीं करने की जिद पर अड़ी रही। अंततः प्रकाश मंडल को वापस लौटना पड़ा। इस घटना के बाद दो गांव समुखियामोड़ एवं मंझगाय में यह चर्चा का विषय है। प्रकाश की शादी नहीं होने के कारण वह रोने लगा। निराश होकर लौट गया। एक वर्ष भी पूर्व मालडीह गांव के एक युवक के साथ इस तरह की घटना हो चुकी है।

अनिल अंबानी ने आर-पावर, आर-इंफ्रा का निदेशक पद छोड़ा

मुंबई (ईएमएस)। अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने अनिल अंबानी के शेयर बाजारों में किसी सूचीबद्ध कंपनी से जुड़ने पर रोक लगा दी थी। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा ?कि गैर-कार्यकारी निदेशक अनिल डी अंबानी सेबी के अंतरिम आदेश के बाद कंपनी के निदेशक पद से हट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने भी शेयर बाजार को बताया कि अनिल अंबानी ने सेबी के अंतरिम आदेश के अनुपालन' में कंपनी के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया है। सेबी ने फरवरी में रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, उद्योगपति अनिल अंबानी और तीन अन्य व्यक्तियों को कथित रूप से धन निकालने के आरोप में प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। एडीएजी समूह की दोनों कंपनियों ने कहा कि आर-पावर और आर-इन्फ्रा के निदेशक मंडल ने राहुल सरीन को पांच साल के कार्यकाल के लिए स्वतंत्र निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया है। हालांकि यह नियुक्ति अभी आम बैठक में सदस्यों की मंजूरी के अधीन है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फिर की रूस से शांति वार्ता की अपील

-रूसी सेना कीव या खारकीव पर कब्जा करने में सक्षम नहीं

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस से युद्ध को समाप्त करने के लिए फिर से बातचीत करने की अपील की है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन शांति के लिए अपने किसी भी क्षेत्र को छोड़ने के लिए सहमत नहीं होगा। जेलेंस्की राष्ट्र के नाम शुक्रवार रात अपने वीडियो संबोधन में रूसी जनरल स्टाफ के उप प्रमुख कर्नल जनरल सर्गेई रुडस्कोई को जवाब देते हुए दिखाई दिए।

रुडस्कोई ने कहा था कि रूसी सेना अब ''मुख्य लक्ष्य, डोनबास की मुक्ति'' पर ध्यान केंद्रित करेगी। रूस समर्थित अलगाववादियों का 2014 से पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र के हिस्से पर नियंत्रण है और रूसी सेना यूक्रेन से और अधिक क्षेत्र को नियंत्रण में करने के लिए जूझ रही है, जिसमें मारियुपोल शहर भी शामिल है। जेलेंस्की ने उल्लेख किया कि रूसी सेना ने हजारों सैनिकों को खो दिया है, लेकिन अब भी वह कीव या खारकीव पर कब्जा करने में सक्षम नहीं है।

अप्रभावी रही चीन की कोरोना वैक्सीन, लाखों डोज लगाने के बाद भी लॉकडाउन के लिए मजबूर हुआ ड्रैगन

बीजिंग (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण से प्रभावित ज्यादातर देशों में हालात अब तेजी से सामान्य हो रहे हैं। जबकि, चीन में एक बार फिर से कोरोना के केस बढ़ते दिखाई दे रहे हैं, जिस पर काबू पाने में प्रशासन को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात हर गुजरते दिन के साथ बदतर होते जा रहे हैं। ड्रैगन में बने इस संकट के दो अहम कारण हैं। सबसे पहले, बीजिंग की 'जीरो कोविड' पॉलिसी का फेल होना और दूसरा है कोरोना वायरस के खिलाफ चीनी वैक्सीन्स असरदार साबित नहीं होना।

चीनी वैक्सीन सिनोवैक और सिनोफार्म कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बनाने के लिए विकसित किए गए सबसे पहले टीकों में से हैं। चीन ने इन टीकों को अलग-अलग देशों में निर्यात किया और कुछ गरीब देशों को दान भी दिया। समय के साथ इन टीकों के अप्रभावी होने की शिकायतें आने लगीं, लेकिन चीन ने इन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया।

कई देशों ने कोरोना के खिलाफ एक अतिरिक्त खुराक जारी की, जिसे बूस्टर शॉट के रूप में भी जाना जाता है। यह उन्हें लगाया गया जो पहले से ही टीकाकरण करा चुके थे। दिसंबर के अंत में जब ओमिक्रॉन वैरिएंट तेजी से फैल रहा था, तब चीन की सिनोवैक इससे मुकाबला करने में काफी हद तक असफल रही है।

हांगकांग विश्वविद्यालय की ओर से किए गए अध्ययन के अनुसार, सिनोवैक ओमिक्रॉन के खिलाफ एंटीबॉडी विकसीत करने में नाकाम साबित हुई है। इसके अलावा, यह उन लोगों में पर्याप्त स्तर की सुरक्षा मुहैया कराने में विफल रही, जिन्हें पहले ही इसकी दो खुराक लग चुकी थी। यह निश्चित रूप से चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि 2021 तक यहां की 1.6 बिलियन आबादी को 2.6 मिलियन से अधिक खुराक दी है।

एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, 80 वर्ष से अधिक आयु के 3 प्रतिशत लोगों की मौत चीनी वैक्सीन सिनोवैक की दो खुराक लेने के बाद हुई। एक खुराक लेने वालों में मृत्यु दर 6 प्रतिशत है। इसके अलावा, चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के एक दस्तावेज से पता चला है कि चीनी टीके की वजह से ल्यूकेमिया की शिकायत बढ़ने लगी। टीकों की नाकामी ने चीनी अधिकारियों के पास संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए जबरन लॉकडाउन के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा है। बड़े शहरों को बंद कर दिया गया है, लोगों को घरों में 'कैद' कर दिया गया है, बाजार बंद हैं और उद्योग की सप्लाई चेन टूट गई है। इससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है। साथ ही नौकरियों की आमदनी के स्त्रोत समाप्त हो गए हैं। ताजा मामलों की संख्या बढ़ने के साथ ही चीन विभिन्न प्रमुख शहरों में तालाबंदी करते जा रहा है।

पैरासिटामॉल समेत 800 जरूरी दवाएं होंगी महंगी

- अप्रैल से 10 फीसदी तक बढ़ जाएंगे दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस सिलेंडर के बाद अब दवाओं पर भी महंगाई की मार पड़ने वाली है। अप्रैल से 800 से ज्यादा जरूरी दवाओं के दाम में 10 प्रतिशत तक बढत होगी। इनमें बुखार, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, त्वचा रोग और एनीमिया के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी शामिल हैं। अगले महीने से से पेनकिलर और एंटी बायोटिक जैसे पैरासिटामॉल फिनाइटोइन सोडियम, मेट्रोनिडाजोल जैसी जरूरी दवाएं महंगी मिलने लगेंगी। दरअसल, केंद्र सरकार ने शेडयूल ड्रग्स की कीमतों में वृद्धि को हरी झंडी दिखा दी है। नेशनल फार्मा प्राइसिंग अथॉरिटी के मुताबिक इन दवाओं के दाम थोक महंगाई दर के आधार पर की गई है। दरअसल, कोरोना महामारी के बाद से फार्मा इंडस्ट्री दवाओं की कीमत बढ़ाए जाने की लगातार मांग कर रही थी। एनपीपीए ने शेडयूल ड्रग्स के लिए कीमतों में 10.7 प्रतिशत बढ़ोत्तरी की मंजूरी दे दी है। गौतलब है ?कि शेडयूल ड्रग्स में आवश्यक दवाएं शामिल हैं और इनकी कीमतों पर नियंत्रण होता है। इनके दाम बगैर अनुमति नहीं बढ़ाए जा सकते हैं। जिन दवाओं के दाम बढ़ने जा रहे हैं, उनमें कोरोना के मध्यम से लेकर गंभीर लक्षणों वाले मरीजों के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं भी शामिल हैं।

फार्मा कंप?नियों के ?विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले दो साल के दौरान कुछ प्रमुख एपीआई की कीमतें 15 से 130 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। पैरासिटामोल की कीमतों में 130 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं सिरप और ओरल ड्रॉप के साथ कई अन्य दवाओं और मेडिकल एप्लीकेशन में उपयोग होने वाले ग्लिसरीन के दाम 263 प्रतिशत और पॉपीलन ग्लाइकोल की कीमत 83 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इंटरमीडिएट्स के दाम 11 प्रतिशत से 175 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। बढ़ती लागत को देखते हुए पिछले साल 2021 के आ?ख्रिर में फार्मा कंप?नियों ने केंद्र सरकार से दवाओं के दाम बढ़ाने का आग्रह किया था। पिछले साल नवंबर में एक लॉबी समूह जो 1000 से अधिक भारतीय दवा निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है, ने सरकार से सभी निर्धारित फॉर्मूलेशन की कीमतों में तत्काल प्रभाव से 10 फीसदी की वृद्धि की अनुमति देने का आग्रह किया था। इसने सभी गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमतों में 20 फीसदी की वृद्धि करने के लिए भी कहा था।

फिर 80 पैसे बढ़ी पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमत में शनिवार को 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। तेल कंपनियां कच्चे माल की कीमत में बढ़ोतरी का भार उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं, जिसके चलते पिछले पांच दिन में चौथी बार कीमत में बढ़ोतरी की गई है। इस तरह पांच दिन में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3.20 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 97.81 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर अब 98.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.07 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 89.87 रुपए प्रति लीटर हो गई है। पेट्रोल तथा डीजल की कीमत साढ़े चार महीने तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को 80 पैसे बढ़ाई गई थी। इसके बाद से इनकी कीमतों में प्रति लीटर 80-80 पैसे की तीन बार बढ़ोतरी की गई। इन कुल चार बार में पेट्रोल और डीजल के दाम में कुल 3.20 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले चार नवंबर, 2021 से ही पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं। हालांकि इस अवधि में कच्चे तेल की कीमत 30 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गई थी। विधानसभा चुनाव के 10 मार्च को नतीजे आने के साथ ही पेट्रोल एवं डीजल के दाम में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही थी लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों ने कुछ दिन और इंतजार किया। ऐसा कहा जा रहा है कि अब पेट्रालियम विपणन कंपनियां अपने घाटे की भरपाई कर रही हैं। भारत अपनी तेल की जरूरत पूरी करने के लिए आयात पर 85 फीसदी निर्भर है।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंध क्रेमलिन को प्रभावित नहीं करेंगे:मेदवेदेव

-प्रतिबंध रूसी समाज को मजबूत करेंगे और असंतोष का कारण नहीं बनेंगे

मास्को(ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी हमले को एक महीना बीत चुका है। लेकिन यूक्रेन पर रूसी सेना का आक्रमण जारी है। कई यूक्रेनी शहर हमले में पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। इस बीच रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख दिमित्री मेदवेदेव का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास करना मूर्खतापूर्ण है कि रूसी व्यवसायों के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों का मास्को सरकार पर कोई प्रभाव पड़ सकता है। पूर्व राष्ट्रपति ने एक इंटरव्यू में कहा कि प्रतिबंध केवल रूसी समाज को मजबूत करेंगे और अधिकारियों के साथ लोकप्रिय असंतोष का कारण नहीं बनेंगे। यूक्रेन पर अपने आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। युद्ध के एक महीने बाद क्रेमलिन का कहना है कि वह तब तक हमला जारी रखेगा। जब तक कि वह यूक्रेन के विसैन्यीकरण और विमुद्रीकरण के अपने लक्ष्यों को पूरा नहीं कर लेता।

हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव ने कहा कि कुछ प्रतिबंधों ने विशेष रूप से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी माने जाने वाले अरबपति व्यवसायियों को प्रभावित किया है। मेदवेदेव ने कहा कि जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि तीन-चौथाई रूसियों ने यूक्रेन में एक सैन्य अभियान चलाने के क्रेमलिन के फैसले का समर्थन किया और इससे भी अधिक राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का समर्थन किया। उन्होंने उन रूसियों को आड़े हाथों लिया जो रूस से बाहर रहते हुए आक्रमण के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आप अधिकारियों के कुछ फैसलों से असंतुष्ट हो सकते हैं, अधिकारियों की आलोचना कर सकते हैं, यह सामान्य हैं। लेकिन आप इतनी कठिन परिस्थिति में देश के खिलाफ स्टैंड नहीं ले सकते, क्योंकि यह देशद्रोह है। एक स्वतंत्र विरोध निगरानी समूह के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में यूक्रेन पर हमले के बाद पुतिन के खिलाफ रूस में व्यापक विरोध प्रदर्शनों में हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया था।

रूस-यूक्रेन युद्ध की भयावहर्ता

बम से बचे, भूख से मरे

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच एक माह से जारी जंग में जहां यूक्रेन के कई शहर खंडहर में तब्दील हो चुके हैं तो वहीं जान बचाने के लिए बंकरों में छिपे लाखों लोग भूख से तड़प-तड़पकर मर रहे हैं। युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय मदद नहीं पहुंच पा रही है, जिसके चलते मारियोपोल, कीव, खारकीव सहित कई शहरों में बंकर के अंदर ही भूख से व्याकुल कई लोग दम तोड़ चुके हैं। हालात बेहद खौफनाक हैं। दम तोडऩे वालों में कई बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं।

युद्ध के बीच घिरे यूक्रेन में बमबारी से बचने के लिए सैकड़ों लोग शहरों में छिपे हुए हैं। रूसी सेनाओं का जैसे-जैसे शहर में कब्जा बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे इनकी ज्यादती की खबरें भी बढ़ रही हैं। मारियुपोल पुलिस अधिकारी माइकल वर्शनिन ने कहा कि शहर में बच्चे, बुजुर्ग मर रहे हैं। शहर नष्ट हो गया है और इसे पृथ्वी के नक्शे से मिटा दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोनेट्स्क सैन्य-नागरिक प्रशासन के प्रमुख पाव्लो क्यारिलेंको ने कहा कि हजारों मारियुपोल निवासी कब्जे वाले मानहुशी और मेलेकिन में भूख से मर रहे हैं। रूसी सेनाओं ने उन्हें भोजन, पानी और सुरक्षित मार्ग मुहैया करने से इनकार कर दिया है। मारियुपोल नगर परिषद ने दावा किया कि रूसी सैनिकों ने कई हजार लोगों को रूस की सीमा में जाने के लिए मजबूर किया है। परिषद ने अपने बयान में कहा कि कब्जे वाले लोगों को यूक्रेन छोड़कर रूसी क्षेत्र में जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। कब्जा करने वालों ने अवैध रूप से लेवोबेरेज्नी जिले से लोगों को बाहर निकाला और एक स्पोर्ट्स क्लब की इमारत में शेल्डर बनाया है। ये वो लोग हैं, जो बमबारी से बचने के लिए छिपे हुए थे। शेल्डर में लोगों की हालत काफी खराब है। इन्हें भोजन-पानी जैसे मूलभूत चीजें भी नहीं मिल रही हैं।

गुजरात भाजपा का गढ़ था, है और रहेगा रहेगाःअमित शाह,

अहमदाबाद(ईएमएस)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि गुजरात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ था, गढ़ है और रहेगा। अमित शाह ने कहा कि भाजपा हारती नहीं, उसका कारण उसके कार्यकर्ता हैं। अहमदाबाद जिले के धोलका कस्बे में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में अमित शाह ने यह बात कही। अहमदाबाद व गांधीनगर में अनेक विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास समारोह में अमित शाह शामिल हुए। उन्होंने धोलका कस्बे में कहा कि धोलका को गुजरात की सबसे विकसित विधानसभाओं में से एक बनाना उनका लक्ष्य है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि धोलका में कमल खिलाने की भी उनकी जिम्मेदारी है। अमित शाह ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस सत्ता में आने के फिर से सपने देख रही है, लेकिन गुजरात भाजपा का गढ़ है। गुजरात भाजपा का गढ़ है और रहेगा। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी की जीत का श्रेय अमित शाह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को दिया।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा आज जो भी है, उसके कार्यकर्ताओं की बदौलत है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार समान रूप से विकास कराती है। इस मामले में किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं होता है। समारोह में मौजूद लोगों से उन्होंने यह भी कहा कि धोलका में अगले विधानसभा चुनाव में कमल खिलाना उनकी जिम्मेदारी है तथा विकास के लिए यहां के लोग भाजपा को अपना समर्थन देंगे। अमित शाह ने कलोल में रेलवे ओवर ब्रिज का शिलान्यास व गार्डन का लोकार्पण किया। गांधीनगर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में अमित शाह ने अपने एक दिवसीय दौरे में अहमदाबाद व गांधीनगर जिले में कई विकास कार्यों का उद्घाटन लोकार्पण व शिलान्यास किया। अमित शाह ने आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलाजी कालेज का किया उद्घाटनकेंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के सोला सिविल अस्पताल में आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलाजी कालेज का उद्घाटन किया। आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज कालेज शुरू करने वाला गुजरात देश का पांचवां राज्य बन गया है। अमित शाह ने यहां आहार केंद्र का भी उद्घाटन किया, जिसमें मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। समारोह में शाह के साथ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल स्वास्थ्य राज्यमंत्री निमिषा सुथार भी उपस्थित थीं। जन्मजात बहरापन तथा सुनने में होने वाली तकलीफ के कारण बोलने, समझने में परेशानी के साथ भूलने की भी समस्या पीड़ित को होने लगती है। अमित शाह ने गुजरात की पहली स्पीच लैंग्वेज पैथोलाजी कालेज का लोकार्पण किया। गुजरात की एक दिन की यात्रा पर अहमदाबाद पहुंचे केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने जीएमइआरएस कालेज परिसर में आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज कालेज की शुरुआत करने के बाद बताया कि इस तरह का कालेज शुरू करने वाला गुजरात पांचवां राज्य बन गया है।

सुनने की तकलीफ होने से बोलने व समझने में भी परेशानी शुरू होने लगती है। भूलने की आदत व लकवा स्ट्रोक से पीड़ितों का भी यहां उपचार हो सकेगा। सोला सिविल हास्पिटल का नाक, कान व गला विभाग यहां 12वीं के बाद एक डिप्लोमा पाठयक्रम भी शुरू करेगा। इसमें तीन साल का कोर्स होगा तथा एक साल की इंटर्नशिप होगी प्रतिवर्ष 20 छात्र-छात्राओं को यह कोर्स कराया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने यहां ब्लाक सी में एक आहार केंद्र का भी उद्घाटन किया। यहां मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक निशुल्क भोजन की व्यवस्था रहेगी। समारोह में अहमदाबाद के महापौर किरीट परमार, उपमहापौर गीता बेन पटेल, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन हितेश बारोट तथा स्वास्थ्य विभाग के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, स्वास्थ्य आयुक्त शाहमीना हुसैन, अहमदाबाद कलेक्टर संदीप सांगले, अहमदाबाद जिला विकास अधिकारी अनिल धामेलिया तथा जीएम इआरएस कालेज के डीन डा नितिन वोरा, सोला सिविल सुपरिटेंडेंट डा दीपिका सिंघल के अलावा स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी भी मौजूद रहे।

शारीरिक स्वास्थ्य है आत्मनिर्भरता की पहली शर्तः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने में शारीरिक स्वास्थ्य पहली शर्त है। यह बात उन्होंने शनिवार को अहमदाबाद के सिम्स हॉस्पिटल की ओर से आयोजित समारोह में हॉस्पिटल की उपचार सुविधा से हृदय प्रत्यारोपण के जरिए नवजीवन प्राप्त करने वाले 8 व्यक्तियों का और अपने स्वजनों का अंगदान करने वाले परिवारजनों का प्रतीक के तौर पर सम्मान करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अंगदान महादान' और 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा' की हमारी संस्कृति अंगदान और अंग प्रत्यारोपण से उजागर होती है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि ईश्वर मानव को जीवन देता है और डॉक्टर जरूरतमंद व्यक्तियों में अंग प्रत्यारोपण कर उनकी जान बचाकर नवजीवन देता है। उन्होंने कहा कि अपने मृत स्वजनों का अंगदान करने वाले परिवार व नागरिक भी मानव सेवा का आपद्धर्म निभाते हैं। सिम्स हॉस्पिटल द्वारा 27 हृदय प्रत्यारोपण की बड़ी उपलब्धि को गुजरात के लिए गौरवपूर्ण करार देते हुए मुख्यमंत्री ने बधाई दी और कहा कि समाज में डॉक्टरों की भूमिका बहुत बड़ी है और रहेगी। उन्होंने कहा कि जनमानस में भगवान के बाद डॉक्टर का दूसरा स्थान है। मूल्यनिष्ठ डॉक्टरों की लोकप्रियता ऐसे अवसरों पर उजागर होती रहती है। उन्होंने डॉक्टरी के पेशे को नोबल प्रोफेशन करार दिया। मुख्यमंत्री ने इस अभिवादन समारोह को मानवीय संवेदना और चिकित्सा उपलब्धि का सामूहिक सम्मान का अवसर बताते हुए कहा कि जरूरतमंद मरीजों को गंभीर रोगों के उपचार के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाने वाली सहायता की पात्रता के लिए आय सीमा को 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 4 लाख रुपए कर दिया गया है। इतना ही नहीं, आपात समय में मरीजों के लिए एयर एंबुलेंस की सेवा भी शुरू की है। उन्होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण की जटिल प्रक्रिया टीम वर्क से ही संभव है। डॉक्टरों एवं हॉस्पिटल सहित प्रशासनिक तंत्र का सहयोग भी जरूरी है। राज्य सरकार ऐसे हर अवसर पर संपूर्ण सहयोग देने के लिए कटिबद्ध है।

भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि आज केवल 40-45 साल के युवा हृदय रोग और डायबीटिज जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार बन रहे हैं। यह रासायनिक खाद और कीटनाशकों के इस्तेमाल से उपजे खाद्यान्न के कारण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने जमीन के स्वास्थ्य को सुधारने के साथ ही मानव शरीर भी आरोग्यप्रद रहे उसके लिए रासायनिक खाद मुक्त प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल आचार्य देवव्रत के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की मुहिम शुरू की है, जो राज्य की जमीन और नागरिक दोनों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायी है।

IIE ने स्टार्ट-अप विलेज आन्ट्रप्रनर्शिप प्रोग्राम (एसवीईपी) के प्रभाव को बढ़ाने के लिए श्दें३के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, मार्च 2022ःमाननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न के अनुरूप, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (MSDE) के तत्वावधान में इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ़ आन्ट्रप्रनर्शिप (IIE) ने ग्रामीण युवाओं के बीच स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आज ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

समझौते के तहत ग्रामीण भारत में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के मुख्य उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की उप योजना स्टार्ट-अप विलेज आन्ट्रप्रनर्शिप प्रोग्राम (एसवीईपी) विशेष रूप से बेरोजगार ग्रामीण लोगों के लिए स्वरोजगार के अवसर विकसित करेगी।

ग्राम उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए एक स्थायी मॉडल विकसित करते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों (एसएचजी ईकोसिस्टम से) को अपना व्यवसाय शुरू करने में सक्षम बनाना है। इसे प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, व्यापार सलाहकार सेवाओं, और बैंकों, स्वयं सहायता समूहों और संघों से ऋण के प्रावधान के एकीकृत आईसीटी तकनीकों और उपकरणों के उपयोग के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

IIE के निदेशक डॉ ललित शर्मा और MoRDके निदेशक श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने एमएसडीई के सचिव श्री राजेश अग्रवाल, एमएसडीई के संयुक्त सचिव सुश्री अनुराधा वेमुरी और MoRDके संयुक्त सचिव श्री चरणजीत सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पश्चिम रेलवे द्वारा बान्द्रा (ट) - बारमेर के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

ट्रेन सं.	प्रस्थान और आगमन स्टेशन	सेवाओं के दिन	प्रस्थान	आगमन
09037	बान्द्रा (ट) - बारमेर	01/04/2022 से 17/06/2022 तक	19.25 बजे (शुक्रवार)	13.45 बजे (दुसरे दिन)
09038	बारमेर - बान्द्रा (ट)	02/04/2022 से 18/06/2022 तक	21.00 बजे (शनिवार)	15.45 बजे. (दुसरे दिन)

ठहरावः बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाना, पाटन, भीलड़ी, धनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोद्रान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, बालोतरा जं. और बायतु स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना : एसी 3-टीयर और शयनयान श्रेणी कोचेस.

ठहरावों पर रुकने के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

ट्रेन सं. 09037 की बुकिंग दि. 27 मार्च, 2022 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर खुलेगी. उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर पूर्णतया आरक्षित विशेष ट्रेन के रूप में चलेंगी.

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
आज़ादी का अमृत महोत्सव
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : twitter.com/WesternRly

सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल वैध पहचान पत्र साथ रखें।

पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस एवं बाड़मेर के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद (ईएमएस)यात्रियों की सुविधा और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं बाड़मेर के बीच विशेष किराये पर ग्रीष्म कालीन स्पे शल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नाचनुसार हैः- ? ट्रेन संख्या 09037/09038 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर ड24 फेरे.

ट्रेन संख्या 09037 की बुकिंग 27 मार्च, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इन स्पेनशल ट्रेनों में कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को ही यात्रा की अनुमति होगी।

पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. एस/09/2022 दिनांक 25.03.2022

अ.क्र.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
117	बेड शीट व्हाइट हैंडलूम साइज 140x229 सीएमएस	219244 नग	08/04/2022
118	मशीनरी/जनरल पर्पज मशीनरी ऑइल, जीआर. वीजी-100	50 केएल	08/04/2022
119	फेस टॉवेल टर्किश हैंडलूम साइज 60x40सीएमएस	86482 नग	11/04/2022
120	साइज 65x38 सीएमएस हेतु पिलो कवर	84364 नग	11/04/2022
121	उच्चतर गुणवत्ता के सॉफ्ट ब्लैंकेट. शेड्स – नेवी ब्ल्यू अथवा मिलिटरी ग्रीन अथवा मरून	55787 नग	11/04/2022
122	बॉल ज्वाइंट ट्रैक्शन लीवर	1757 नग	11/04/2022
123	बॉल ज्वाइंट रोल लिंक	1178 नग	11/04/2022
124	वाइड जॉ एडाप्टर	1738 नग	15/04/2022
125	लिनाग्लिप्टिन 5एमजी टैब	119200 नग	20/04/2022
126	आरएमपीयू'एस हेतु सुयोग्य रिटर्न एयर फिल्टर मैट	3300 नग	21/04/2022
127	रिवर्सर जे1 एवं जे2	16 सेट	25/04/2022

विस्तृत सूचना ईएमडी, क्रय प्रतिबंध तथा विस्तृत निविदा शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** तथा **www.wr.indianrailways.gov.in** का अवलोकन करें.

0827 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95